mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-29 अंक-239 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

31 अगस्त 2025 रविवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगाढ़ से एक साथ प्रकाशित

बेंगलुरु पहुंचे शुभमन @ पेज 7

जमू-कश्मीर के रियासी में लैंडस्लाइड, 7 शव बरामद

रामबन में बादल फटा, 4 की मौत; पंजाब के 250 गांवों में बाढ़, 8 की जान गई

पठानकोट/देहरादून/प्रयागराज/दिल्ली, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले के बदर गांव में शनिवार सुबह लैंडस्लाइड हुई। मलबे से अब तक 7 शव बरामद किए गए हैं। यहां और भी लोगों के फंसे होने की आशंका है। अन्य लोगों की तलाश जारी है। वहीं, रामबन के राजगढ़ में बादल फटने से 4 लोगों की मौत हो गई। एक व्यक्ति लापता है। उसकी तलाश जारी है।

हिमाचल प्रदेश में मंडी के गोहर में शुक्रवार देर रात बादल फटा था। नांडी पंचायत में नसेंणी नाला में कई गाड़ियां बह गई। शिमला के जतोग कैंट में लैंडस्लाइड हुई। सेना की रेसीडेंशियल बिल्डिंगों को खाली कराया गया।

पंजाब के अमृतसर, पठानकोट समेत 8 जिलों में बाढ़ के हालात बने हैं। 250 से ज्यादा गांवों में 5 से 15 फीट तक पानी भरा हुआ है। बाढ़ में अब तक 8 लोगों की मौत हो गई है। 3 लोग लापता हैं। उत्तराखंड के चमोली, रुद्रप्रयाग, टिहरी और बागेश्वर में शुक्रवार को बादल फटने की घटनाएं हुई। हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई और 11 लापता हैं। बागेश्वर के कपकोट में कई घरों को भी नुकसान हुआ है। यूपी के 18 जिले बाढ़ की चपेट में है। राज्य में अब तक 774 मकान बारिश-बाढ़ में ढह चुके हैं। वाराणसी में सभी 84 घाटों का आपसी संपर्क टूटा है। जम्मू-कश्मीर के कटरा में बारिश के कारण वैष्णो देवी यात्रा 5 दिन से रुकी है। 26 अगस्त को यात्रा रूट पर लैंडस्लाइड में 34 लोगों की मौत हुई थी। महाराष्ट्र के लातूर और नांदेड़ में 50 सड़कें-पुल डूब गए हैं।

पंजाब-फिरोजपुर से अब तक 3000 लोगों का रेस्क्यू

पंजाब के फिरोजपुर सतलुज नदी में उफान के कारण पंजाब का बड़ा इलाका बाढ़ की चपेट में है। फिरोजपुर जिले के करीब 100 गांव प्रभावित हैं। जिला प्रशासन, सेना, क्स्त्र, ह्ष्ठऋत्र और पुलिस लगातार रेस्क्यू में जुटे हैं। प्रभावित इलाकों में गजनीवाला, कालूवाला, टेड़ीवाला, निहाला लवेरा, बग्गेवाला शामिल हैं। मलेरिया-डेंगू रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीमें गनेशावाला, निहाला किल्चा, डोना मट्टर में दवा छिड़काव कर रही हैं।

शिमला में आर्मी कैंट के पास लैंडस्लाइड

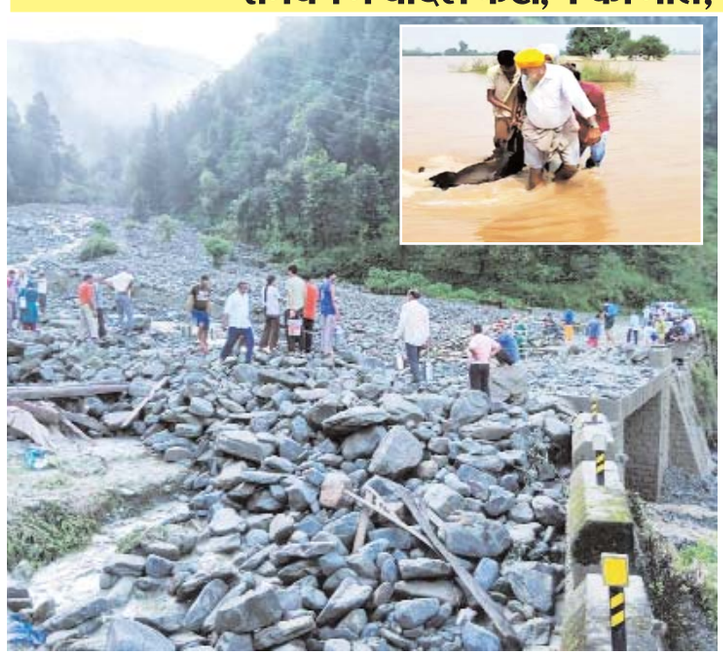

अफसरों के क्वार्टर खाली कराए; मंडी में बादल फटा, गाड़ियां बहीं; चंडीगढ़-मनाली फोरलेन बंद

शिमला, एजेंसी। हिमाचल के मंडी जिले में बादल फटने से बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है, जबकि कुल्लू के आनी में बीते कल हुए लैंडस्लाइड के कारण मलबे में दबी महिला की तलाश अभी तक जारी है। वहीं, शिमला के रामपुर में बीती रात में फ्लैश फ्लड से 3 मकान टूट गए। शिमला के ही जतोग कैंट में लैंडस्लाइड से सेना की रिहायशी बिल्डिंग को खतरा बन गया, जिसके बाद उसे खाली करा दिया गया। सीएम सुक्खू आज दोपहर 12.30 बजे आपदा प्रभावित चंबा और भरमौर पहुंचे। हवाई सर्वेक्षण के बाद उन्होंने अधिकारियों के साथ बैठक कर राहत कार्यों का जायजा लिया और लोगों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

इस बीच, चंडीगढ़-मनाली फोरलेन एक बार फिर बंद हो गया। आज सुबह 7 बजे हनोगी के पास लैंडस्लाइड के कारण इस फोरलेन पर लंबा ट्रैफिक जाम लग गया। प्रदेश में बारिश का सितम लगातार जारी है। अब तक प्रदेशभर में 2 नेशनल हाईवे समेत 914 सड़कें बंद हो चुकी हैं।

भिंड में पेट्रोल के लिए अंधाधुंध फायरिंग

बिना हेलमेट पेट्रोल देने से मना किया था, पंप मालिक घायल

भिंड, एजेंसी। भिंड में शनिवार सुबह बिना हेलमेट पेट्रोल नहीं देने पर दो युवकों ने पंप मालिक को गोली मार दी। आरोपियों ने एक अवैध कट्टे और लाइसेंसी बंदूक से ताबड़तोड़ फायरिंग की। पंप संचालक तेज नारायण लोधी (55) को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से ग्वालियर रेफर कर दिया गया है। घटना नेशनल हाईवे-719 पर लोधी पेट्रोल पंप की है। घटना के बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए, लेकिन पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर उनकी पहचान कर ली है और तलाश में दबिश देना शुरू कर दिया है।

धनखड़ ने विधायक पद की पेंशन का आवेदन किया

जयपुर, एजेंसी। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अब पूर्व विधायक के नाते मिलने वाली पेंशन के लिए राजस्थान विधानसभा सचिवालय में फिर से आवेदन किया है। धनखड़ 1993 से 1998 तक किशनगढ़ सीट से कांग्रेस के विधायक रहे थे। पूर्व विधायक के तौर पर उन्हें जुलाई 2019 तक पेंशन मिल रही थी। जुलाई 2019 में पश्चिमी बंगाल के राज्यपाल बनने के बाद पेंशन बंद हो गई थी।

महाराष्ट्र के बीड में तेज रफ्तार कंटेनर से कुचलकर छह पैदल यात्रियों की मौत

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के बीड़ जिले में धुले-सोलापुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर नमलगांव फाटा फ्लाईओवर के पास शनिवार की सुबह एक तेज रफ्तार कंटेनर से कुचलकर छह पैदल यात्रियों की मौत हो गई है। बीड़ ग्रामीण पुलिस की टीम ने इस मामले में कंटेनर चालक को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की छानबीन कर रही है। बीड में हुए इस दर्दनाक सड़क हादसे की छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने बताया कि आज सुबह छह लोग धुले-सोलापुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर से पेंडगांव में देवदर्शन के लिए जा रहे थे। तभी नमलगांव फाटा फ्लाईओवर के पास पीछे से आ रहे तेजरफ्तार कंटेनर ने इन सभी को कुचल दिया और कंटेनर चालक कंटेनर को लेकर फरार हो गया। इस घटना में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई , जबकि दो घायलों को तत्काल बीड़ जिला अस्पताल में पहुंचाया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी दोनों की भी मौत हो गई। इस घटना में मृतकों की पहचान विशाल श्रीकिसन काकड़े, अमोल नामदेव गर्जे, आकाश कोलसे, पवन जगताप , किशोर टोर और एक अन्य के रुप में गई है।

इमाम एसोसिएशन बोला- देश संविधान से चलेगा, गीता-कुरान से नहीं

भागवत का भारत को हिंदू राष्ट्र कहना हमारा अपमान; पर्सनल लॉ खत्म नहीं होने देंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के भारत को हिंदू राष्ट्र बताने वाले बयान पर ऑल इंडिया इमाम एसोसिएशन ने आपत्ति जताई है। इस संस्था के अध्यक्ष मौलाना साजिद राशिदी ने शनिवार को कहा, भारत संविधान और कानून से चलेगा। गीता या कुरान से नहीं।

भागवत ने पिछले एक हफ्ते में तीन से ज्यादा बार भारत को हिंदू राष्ट्र कहा। इस पर राशिदी ने कहा कि बार-बार हिंदू राष्ट्र का जिक्र करना बाकी धर्मों का अपमान है। आप कहते हैं कि पूरे देश में सबके लिए एक जैसा कानून होना चाहिए, ऐसे कानून पहले से मौजूद हैं। हम भारत में मुसलमानों, बौद्धों और सिखों के पर्सनल लॉ खत्म नहीं होने देंगे।

26 अगस्त: भागवत बोले- 40 हजार साल से अखंड भारत का डीएनए एक

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने आरएसएस शताब्दी वर्ष कार्यक्रम में कहा, हिंदू राष्ट्र का मतलब किसी को बाहर करना नहीं है। इसका मतलब किसी का विरोध करना भी नहीं है। यह सांस्कृतिक एकता की बात है। हम सब, चाहे किसी भी धर्म के हों, एक ही पूर्वजों के वंशज हैं। पिछले 40,000 वर्षों से हमारा डीएनए एक जैसा है । 28 अगस्त- भागवत बोले- भारत पहले से हिंदू राष्ट्र मोहन भागवत ने कहा था, भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने की ज़रूरत नहीं है। भारत पहले से ही हिंदू राष्ट्र है। ऋषियों ने यह सत्य बहुत पहले कह दिया था। इसे मानने से लाभ है, न मानने से कोई नुकसान नहीं। अखंड भारत कोई राजनीतिक योजना नहीं, यह हमारी सभ्यता की सच्चाई है। हमारी एकता किसी सत्ता पर नहीं, हमारी संस्कृति और चेतना पर आधारित है।

कर्नाटक में 9वीं की स्टूडेंट की स्कूल टायलेट में डिलीवरी

लेबर पेन होने पर दूसरे बच्चों ने स्कूल मैनेजमेंट को बताया; पॉक्सो के तहत मामला दर्ज

यादगीर,एजेंसी। कर्नाटक के यादगीर जिले के शाहपुर तालुक में एक सरकारी रेसिडेंशियल स्कूल की 9वीं क्लास की स्टूडेंट ने स्कूल टॉयलेट में बच्चे को जन्म दिया। घटना 27 अगस्त की है। पुलिस स्त्रद्भक्रके मुताबिक लड़की 9 महीने की प्रेग्नेंट थी। मामला तब सामने आया जब उसके साथ पढ़ने वाली दूसरी लड़कियों ने पीड़ित को दर्द में देखा। इसके बाद स्कूल मैनेजमेंट को बताया। लड़की और बच्चे दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सुप्रीम कोर्ट- रामसेतु को लेकर केंद्र को नोटिस जारी

राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने पर जवाब मांगा, सुब्रमण्यम स्वामी की याचिका स्वीकार

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को रामसेतु को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने की मांग से जुड़ी याचिका पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा। शीर्ष अदालत ने पूर्व राज्यसभा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी की याचिका पर नोटिस जारी किया है।

जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की बेंच ने स्वामी की याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति देते हुए केंद्र से चार हफ्ते में जवाब देने को कहा है। स्वामी ने अपनी याचिका में 19 जनवरी 2023 को सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए आदेश का हवाला दिया है।

उस समय केंद्र ने स्वामी की ही याचिका की सुनवाई के दौरान कोर्ट को बताया था कि रामसेतु को राष्ट्रीय धरोहर घोषित करने के मुद्दे पर विचार किया जा रहा है। कोर्ट ने केंद्र से इस पर निर्णय लेने को कहा था और स्वामी को यह स्वतंत्रता दी थी कि यदि वे संतुष्ट न हों तो दोबारा कोर्ट आ सकते हैं। स्वामी की नई याचिका में कहा गया है, 19 जनवरी 2023 के आदेश के बाद उन्होंने 27 जनवरी 2023 को केंद्र को सभी दस्तावेजों के साथ एक प्रतिनिधित्व सौंपा था। इसके बाद 13 मई 2025 को उन्होंने एक और नया प्रतिनिधित्व भेजा, लेकिन अब तक न तो उन्हें और न ही सुप्रीम कोर्ट को कोई जवाब मिला है।

याचिका में मांग की गई है कि संस्कृति मंत्रालय को सुप्रीम कोर्ट के 19 जनवरी 2023 के आदेश के अनुसार स्वामी के प्रतिनिधित्व पर जल्द से जल्द और समयबद्ध तरीके से निर्णय लेने का निर्देश दिया जाए।

स्वामी बोले- रामसेतु आस्था का प्रतीक है स्वामी की याचिका में कहा गया है कि रामसेतु एक पुरातात्विक स्थल होने के साथ-साथ करोड़ों लोगों की आस्था और श्रद्धा का केंद्र भी है। याचिका में कहा गया है कि वैज्ञानिक और पुरातात्विक अध्ययन इस बात के प्रमाण हैं कि यह मानव निर्मित संरचना है, जिसे श्रद्धालु तीर्थस्थल मानते हैं।

स्वामी ने पहली याचिका 2007 में दायर की थी

राम सेतु को राष्ट्रीय धरोहर घोषित करने की मांग कई सालों से उठ रही है। साल 2007 में सुब्रमण्यम स्वामी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। यह याचिका सेतु समुद्रम शिप चैनल परियोजना के खिलाफ थी। इस परियोजना के तहत, सरकार 83 किलोमीटर लंबी एक नहर बनाने की योजना पर काम कर रही थी, जो मन्नार की खाड़ी और पाक जलडमरूमध्य को जोड़ती। इसके लिए समुद्र में बड़े पैमाने पर ड्रेजिंग (समुद्र की गहराई बढ़ाने का काम) किया जाना था। आरोप था कि इस परियोजना से राम सेतु को नुकसान पहुंच सकता है। स्वामी का कहना है कि इसी वजह से उन्होंने मांग की है कि राम सेतु को राष्ट्रीय धरोहर का दर्जा दिया जाए, ताकि इसे बचाया जा सके।

पटना के बाद बेगूसराय में भिड़े कांग्रेस-बीजेपी कार्यकर्ता

● पीएम को गाली देने के मामले में नारेबाजी, हंगामा

पटना, एजेंसी। दरभंगा में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के मंच से पीएम मोदी को गाली देने के बाद बिहार की सियासत गरमा गई है। इसे लेकर दूसरे दिन भी बेगूसराय से लेकर लखनऊ तक बीजेपी नेताओं का प्रदर्शन जारी है।

बेगूसराय मे बीजेपी नेताओं ने कांग्रेस दफ्तर में घुसकर प्रदर्शन किया। वहीं, पटना के गांधी में बीजेपी के सांसद, विधायक समेत कई बड़े नेता मौन धरने पर बैठे हैं। लखनऊ में भी भाजपा के कार्यकर्ताओं का बवाल चल रहा है। वे राहुल गांधी मुर्दाबाद के नारे लगा रहे हैं। कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए VVIP गेस्ट हाउस से कांग्रेस मुख्यालय पहुंचे।

इधर, पटना में राहुल गांधी और तेजस्वी यादव के खिलाफ कई जगहों पर

बड़े पोस्टर लगाए गए हैं। इन पोस्टरों में राहुल और तेजस्वी पर पीएम मोदी और उनकी मां का अपमान करने का आरोप लगाया गया है।

वहीं इस मामले में राहुल गांधी, तेजस्वी यादव और कांग्रेस-राजद के सैकड़ों कार्यकर्ताओं के खिलाफ मुजफ्फरपुर कोर्ट में परिवाद दायर किया गया है। इस मामले की सुनवाई 11 सितंबर को होगी।

जापान में मोदी ने बुलेट ट्रेन का सफर किया

इसे चलाने की ट्रेनिंग ले रहे भारतीय ड्राइवरों से मिले; एससीओ समिट के लिए चीन रवाना

टोक्यो,एजेंसी। पीएम मोदी शनिवार को जापान दौरे के दूसरे दिन एडवांस बुलेट ट्रेन E10 देखने मियागी प्रांत के सेंडाई पहुंचे। यहां उनके साथ जापान के पीएम शिगेरू इशिबा भी मौजूद थे।

दोनों नेताओं ने ट्रेन में सफर भी किया। इस दौरान उन्होंने भारत के ट्रेन ड्राइवरों से मुलाकात भी की। इन्हें जापान का ईस्टर्न रेलवे ट्रेनिंग दे रहा है। ये भारत में चलने वाली बुलेट ट्रेनों को चलाएंगे।

सेंडाई पहुंचने पर स्थानीय लोगों और भारतीय समुदाय ने उनका स्वागत किया। लोग हाथों में झंडे लेकर 'जापान में आपका स्वागत है, मोदी सैन!' के नारे लगा रहे थे।

इससे पहले मोदी ने शुक्रवार को 15वें भारत-जापान समिट में हिस्सा लिया। इस दौरान दोनों देशों में 150 समझौते हुए। जापानी PM ने भारत में अगले 10 साल में 6 लाख करोड़ रुपए निवेश की बात कही। जापान के बाद मोदी अब चीन के दौरे पर रवाना हो गए हैं। वे रविवार को एससीओ समिट में शामिल होंगे। इसके अलावा मोदी चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात करेंगे।

रमेश बोले- विपक्ष शासित आठ राज्यों ने जीएसटी दरों में कटौती का किया समर्थन

उपभोक्ताओं को मिले सीधा लाभ

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने शनिवार को बताया कि विपक्ष शासित आठ राज्यों ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में बदलाव को समर्थन दिया है। इन राज्यों ने जीएसटी की अलग-अलग दरों को कम करने और आम उपभोग की चीजों पर लगने वाली दरों को घटाने की मांग का समर्थन किया है। साथ ही, इन राज्यों ने यह भी मांग की है कि एक ऐसी प्रणाली बनाई जाए, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि इन दरों में कटौती का फायदा सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचे।

रमेश के मुताबिक, इन आठ विपक्ष शासित राज्यों ने यह भी मांग की है कि जब दरों में कटौती होगी, जिससे राज्यों की आय पर असर पड़ेगा, तो उसकी भरपाई के लिए सभी राज्यों को पांच साल तक मुआवजा दिया जाए। इस मुआवजे की गणना के लिए 2024-25 को आधार वर्ष माना जाए। उन्होंने कहा कि विलासिता की वस्तुओं (जैसे तंबाकू, शराब आदि) और लग्जरी वस्तुओं पर प्रस्तावित 40 फीसदी से ऊपर जो अतिरिक्त टैक्स लगेगा, उसका पूरा पैसा राज्यों को दिया जाए।

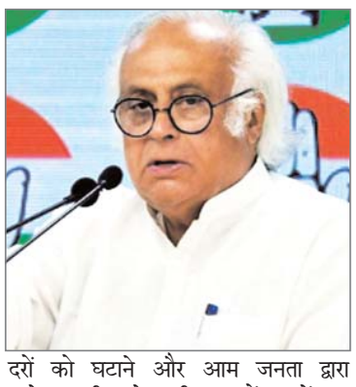

कांग्रेस नेता ने एक्स पर कहा, आठ विपक्ष शासित राज्यों कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, केरल, पंजाब, तमिलनाडु, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल ने जीएसटी की

दरों को घटाने और आम जनता द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली वस्तुओं पर दरें कम करने के प्रस्ताव का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि इन राज्यों ने यह भी कहा है कि दरों में कटौती से उपभोक्ताओं को सीधा फायदा मिले, इसके लिए एक ठोस व्यवस्था बनाई जाए। रमेश ने कहा कि इन राज्यों की यह भी मांग है कि दरों में कटौती से जो राजस्व घाटा होगा, उसकी भरपाई के लिए सभी राज्यों को पांच वर्षों तक मुआवजा दिया जाए, और इसके लिए 2024-25 को आधार वर्ष माना जाए।

इन आठ राज्यों ने यह भी कहा है कि विलासिता की वस्तुओं और लग्जरी सामान पर जो अतिरिक्त टैक्स 40 फीसदी से ऊपर लगेगा, उसे पूरी तरह राज्यों को दिया जाए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार अपनी कुल राजस्व का करीब 17-18 फीसदी अलग-अलग कर (सेस) के जरिए प्राप्त करता है, जिसे राज्यों के साथ साझा नहीं किया जाता।

ह्यूमन जीपीएस नाम से मशहूर आतंकी बागू खान मारा गया

25 सालों में 100+ घुसपैठ में मदद कराई थी; गुरेज में दो दिन पहले एनकाउंटर

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले के गुरेज सेक्टर में नियंत्रण रेखा (LoC) के पास सुरक्षाबलों ने ह्यूमन GPS के नाम से मशहूर आतंकी बागू खान को मार गिराया है। बागू खान को समंदर चाचा के नाम से भी जाना जाता था। वह सुरक्षा एंजेसियों की लिस्ट में हिजबुल मुजाहिदीन का मोस्ट वांटेड आतंकी था। सूत्रों के अनुसार, बागू खान 1995 से पाक अधिकृत कश्मीर (PoK) में रह रहा था। वह 25 सालों से सीमा पार आतंकवाद में एक्टिव था और घुसपैठ के सबसे पुराने मददगारों में से एक था।

लावारिस कुत्तों की नसबंदी करने वाला अभियान होगा तेज, शेल्टर होम के लिए आज किया जाएगा जमीन का सर्वे

दिल्ली, एजेंसी। स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने कुत्तों के नसबंदी अभियान और शेल्टर होम निर्माण की कमान अपने हाथों में ले ली है। वे शनिवार को एमसीडी के पांच नसबंदी केंद्रों का निरीक्षण करेंगी और उनकी कार्यप्रणाली की समीक्षा करेंगी। साथ ही, खतरनाक कुत्तों के लिए शेल्टर होम की स्थापना के लिए विभिन्न इलाकों में जमीन का सर्वे करेंगी। एमसीडी के पास फिलहाल 20 नसबंदी केंद्र हैं लेकिन इनमें से केवल 13 ही वर्तमान में सक्रिय हैं। इन केंद्रों की कार्यक्षमता और उनकी वास्तविक स्थिति का आकलन करने के लिए स्थायी समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा ने स्वयं दौरा करने का निर्णय लिया है। दरअसल, सीमित संसाधनों और क्षमता के कारण नसबंदी का काम गति से नहीं हो पा रहा है जिससे कुत्तों की आबादी लगातार बढ़ रही है। दिल्लीवासियों की शिकायतें भी बढ़ रही हैं। बच्चों और बुजुर्गों पर हमले से लेकर कॉलोनियों में झुंड बनाकर घूमने वाले लावारिस कुत्तों की घटनाओं ने चिंता बढ़ा दी है।

एमसीडी के पास लावारिस और खतरनाक कुत्तों को रखने के लिए कोई स्थायी शेल्टर होम नहीं है। ऐसे में कोर्ट के आदेश के बाद पहली बार एमसीडी शेल्टर होम बनाने जा रही है। फिलहाल, पकड़े गए कुत्तों को अस्थायी व्यवस्थाओं में रखा जाता है लेकिन वहां देखभाल और नियंत्रण दोनों ही स्तर पर दिक्कतें आती रही हैं। कोर्ट के आदेश के तहत बनने वाले शेल्टर होम न केवल खतरनाक कुत्तों को सुरक्षित रखने का स्थान होंगे बल्कि वहां उनके लिए बेहतर देखभाल, इलाज और पुनर्वास की भी व्यवस्था की जाएगी। इससे एक ओर नागरिकों को राहत मिलेगी।

उप समिति पहले ही कर रही है कार्य : स्थायी समिति ने कुत्तों की बढ़ती समस्या पर काबू पाने के लिए पहले ही उप समिति गठित कर रखी है। यह समिति स्थिति का अध्ययन कर सिफारिशें दे रही है ताकि लावारिस कुत्तों के प्रबंधन की नीति को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। सुप्रीम कोर्ट के आदेशों को ध्यान में रखते हुए अब एमसीडी ने इस दिशा में ठोस और व्यापक रणनीति पर काम शुरू कर दिया है। लापरवाही मिलने पर सख्त कार्रवाई होगी सत्या शर्मा ने स्पष्ट किया है कि नसबंदी केंद्रों के दौरे के दौरान डॉक्टरों और स्टाफ की उपलब्धता, दवाओं और उपकरणों की स्थिति और प्रतिदिन हो रहे ऑपरेशनों की संख्या की बारीकी से जांच की जाएगी।

दिल्ली मेट्रो की येलो लाइन पर सुबह के समय सेवाएं प्रभावित

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्वविद्यालय से केंद्रीय सचिवालय तक येलो लाइन के एक हिस्से पर दिल्ली मेट्रो सेवाएं शुक्रवार सुबह दफ्तर और स्कूल समय के दौरान बाधित रहीं। जिससे हजारों यात्रियों को असुविधा हुई। इस दौरान स्टेशनों पर काफी संख्या में यात्रियों की भीड़ देखने को मिली। अधिकारियों के अनुसार, विश्वविद्यालय और केंद्रीय सचिवालय स्टेशनों के बीच ट्रेनें देरी से चल रही हैं, जबकि नेटवर्क के अन्य सभी मार्गों पर सामान्य सेवाएं जारी हैं। कई यात्रियों ने शिकायत की कि विश्वविद्यालय से जीटीबी नगर तक की यात्रा का समय, जो आमतौर पर कुछ ही मिनट का होता है, वह लगभग 50 मिनट तक बढ़ गया। कई लोगों ने कहा कि देरी के कारण उन्हें समय पर दफ्तर और स्कूल पहुंचने में परेशानी हो रही है। इस बारे यात्रियों को थर्ड एसी इकोनॉमी स्पेशल ट्रेनों की सुविधा देगा। इनमें सभी कोच एक ही श्रेणी के होंगे और किराया सामान्य थर्ड एसी टिकट से कम होगा। इससे यात्रियों को कम खर्च में आरामदायक यात्रा का आनंद मिलेगा। किसी भी स्तर पर लापरवाही मिलने पर जिम्मेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि वातावरण उपलब्ध कराना भी है।

दर्शकों के लिए बंद किया गया दिल्ली का चिड़ियाघर, दो पक्षियों की मौत के बाद लिया गया फैसला

नई दिल्ली ,एजेंसी। चिड़ियाघर में एवियन इन्फ्लूएंजा (बर्ड फ्लू) की पुष्टि हुई है। ऐसे में चिड़ियाघर को दर्शकों के लिए अस्थाई रूप से बंद कर दिया गया है। यह कदम पेंटेड स्टॉर्क और ब्लैक-नेकड आइबिस की मौत के बाद लिया गया। जिनके नमूनों में गुरुवार रात भोपाल स्थित राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान की जांच में बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई। मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी एवियन इन्फ्लूएंजा की तैयारी, नियंत्रण और रोकथाम के लिए कार्य योजना के प्राणी उद्यान के लिए दिशा-निर्देशों के अनुसार तत्काल कार्रवाई शुरू कर दी गई है। मृत सारस के दो नमूनों को एवियन इन्फ्लूएंजा की जांच के लिए राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान भोपाल भेजे गए थे। इसके बाद दोनों नमूनों के लिए एवियन इन्फ्लूएंजा वायरस के लिए सकारात्मक परिणाम की सूचना दी गई है। दो पक्षी के एच5एन1 बर्ड फ्लू वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद दिल्ली के चिड़ियाघर को शनिवार से पर्यटकों के लिए बंद कर दिया गया है। दोनों मृत पक्षियों के नमूने 27 अगस्त को भोपाल स्थित राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान भेजे गए है। 28 अगस्त को जांच में उनमें एच5एन1 वायरस की पुष्टि हुई। अधिकारियों ने बताया कि चिड़ियाघर को बंद करना जन स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए ऐतिहासिक कदम है और अगली सूचना तक ये लागू रहेगा। अधिकारियों ने बताया कि चिड़ियाघर को बंद करना जन स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए ऐतिहासिक कदम है और अगली सूचना तक ये लागू रहेगा। दो पक्षी के एच5एन1 बर्ड फ्लू वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद दिल्ली के चिड़ियाघर को शनिवार से पर्यटकों के लिए बंद कर दिया गया है। दोनों मृत पक्षियों के नमूने 27 अगस्त को भोपाल स्थित राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान भेजे गए है। 28 अगस्त को जांच में उनमें एच5एन1 वायरस की पुष्टि हुई। अधिकारियों ने बताया कि चिड़ियाघर को बंद करना जन स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए ऐतिहासिक कदम है और अगली सूचना तक ये लागू रहेगा।

कालकाजी मंदिर में सेवादार की पीट-पीटकर हत्या, चुनरी-प्रसाद को लेकर हुआ था विवाद

नई दिल्ली, एजेंसी। कालकाजी मंदिर में पीट-पीटकर हत्या का मामला सामने आया है। यहां दर्शन के लिए आए लोगों ने एक सेवादार की लाठियों और घूंसों से हमला कर हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि चुनरी प्रसाद को लेकर उनके बीच बहस हुई थी। एक आरोपी को स्थानीय लोगों ने घटनास्थल पर ही पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। बाकि आरोपियों को पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस के मुताबिक, कालकाजी मंदिर में झगड़े के संबंध में कल रात 11:30 बजे सूचना मिली। स्थानीय पुलिस की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पूछताछ में पता चला कि आरोपी दर्शन के लिए कालकाजी मंदिर आए थे। दर्शन के बाद उन्होंने पीड़ित से चुनरी प्रसाद की मांग की और उनके बीच बहस शुरू हो गई। इसी दौरान आरोपियों ने पीड़ित पर लाठियों और घूंसों से हमला कर दिया। पीड़ित को तुरंत एम्स ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान यूपी के हरदोई निवासी योगेन्द्र सिंह (35) के रूप में हुई है। वह पिछले 14-15 साल से कालकाजी मंदिर में सेवादार था।

दक्षिणपुरी निवासी 30 वर्षीय अतुल पांडे नामक एक आरोपी को स्थानीय लोगों ने घटनास्थल पर ही पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस जांच में जुटी है। बाकि आरोपियों की पहचान की जा रही है और उन्हें पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं।

कालकाजी मंदिर के सेवादार की हत्या पर भड़के केजरीवाल : कालकाजी मंदिर के सेवादार की हत्या पर दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने नाराजगी जताई है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कहा, कालकाजी मंदिर के अंदर सेवादार की निर्मम हत्या करने से पहले इन बदमाशों के हाथ नहीं कांपे ये कानून व्यवस्था की विफलता नहीं तो और क्या है भाजपा के चारों इंजनों ने दिल्ली का ये हाल कर दिया है कि अब मंदिरों में भी ऐसी वारदातें हो रही हैं। क्या दिल्ली में कोई सुरक्षित है भी या नहीं इसके लिए ई-बिड जमा करने की अंतिम तारीख 19 सितंबर है। इससे पहले 3 सितंबर को प्री-बिड मीटिंग रखी गई है। विभाग का कहना है कि व्यवहार्यता अध्ययन रिपोर्ट आने के बाद ही आगे के निर्माण कार्य पर काम किया जाएगा। अगर यह योजना सफल रहती है तो रिंग रोड पर रोजाना घंटों फंसे रहने वाले यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी।

वीर सावरकर कॉलेज में अगले साल से शुरू हो सकेगी पढ़ाई, शिक्षकों की नियुक्ति पर अटका दाखिला

नई दिल्ली, एजेंसी। नजफगढ़ में दिल्ली विश्वविद्यालय के वीर सावरकर कॉलेज में पढ़ाई करने के लिए छात्रों को अब अगले साल का इंतजार करना होगा। छात्रों को पढ़ाने के लिए शिक्षकों की पोस्ट अभी स्वीकृत नहीं हो पाई है। इस कारण से इस साल यहां पढ़ाई शुरू करने की योजना अधर में लटक गई है। प्रशासन को उम्मीद थी कि अगस्त के अंत तक पदों के स्वीकृत होने पर यहां दाखिला प्रक्रिया शुरू कर देंगे। जनवरी में वीर सावरकर कॉलेज की आधारशिला रखी गई थी। डीयू की ओर से मार्च में घोषणा की गई थी शैक्षणिक सत्र 2025-26 के तहत दाखिले शुरू कर देंगे।

क्यों रुकी पढ़ाई की शुरुआत : डीयू के पास इस कॉलेज में कोर्सेज शुरू करने की मंजूरी पहले से है। प्रशासन ने इस शैक्षणिक सत्र से कॉलेज के लिए चार वर्षीय दो स्नातक पाठ्यक्रम बीएससी कंप्यूटर साइंस और बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (बीबीए) शुरू करने की तैयारी की थी, दोनों प्रोग्राम के लिए कुल 60 सीटें तय की गई थी। बताया जा रहा है कि इस कॉलेज की शुरुआत के लिए शिक्षा मंत्रालय और वित्त मंत्रालय से कुछ महत्वपूर्ण मंजूरियां लंबित हैं। दक्षिणी परिसर निदेशक प्रो. रजनी अब्बी ने कहा कि हमने शिक्षकों के पदों को स्वीकृति के लिए भेज दिया था। अगस्त के अंत तक स्वीकृति के मिलने की उम्मीद थी कि लेकिन अभी पदों की स्वीकृती नहीं मिली है। पद स्वीकृत होने के बाद साक्षात्कार करने होंगे जिसमें समय लगेगा। ऐसे में इस साल तो यहां दाखिले शुरू होने की उम्मीद नहीं है। निदेशक का कहना है कि अगले सत्र से जरूर यहां दाखिले शुरू कर देंगे।

कैसा होगा वीर सावरकर कॉलेज का कैंपस : डीयू के पश्चिमी परिसर से केवल पांच मिनट की दूरी पर वीर सावरकर कॉलेज तैयार किया गया है। 18,81,656 वर्ग मीटर के क्षेत्रफल में 140 करोड़ रुपये की लागत से इसे तैयार किया जाना है। कॉलेज परिसर में 24 क्लासरूम, आठ ट्यूटोरियल कक्षाएं, 40 संकाय कक्ष, पुस्तकालय, सम्मेलन कक्ष और कैंटीन होगी। इस कॉलेज की आधारशिला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनवरी में रखी थी। अप्रैल में कुलपति प्रो. योगेश कुमार सिंह ने कहा था कि इस कॉलेज में प्रत्येक पाठ्यक्रम में रोशनपुरा गांव के आवेदकों के लिए दो सीटें आरक्षित होंगी, जिसने कॉलेज के लिए जमीन दान की थी।

दिल्ली-एनसीआर में झमाझम बारिश से जगह-जगह जलभराव, आतिशी ने भाजपा सरकार पर बोला हमला

नई दिल्ली,एजेंसी। इन दिनों देश के कई राज्यों में बारिश का कहर देखने को मिल रहा है। जमकर हो रही बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। मानसून का कहर पहाड़ों से मैदान तक जारी है। देश के कई शहरों में बाढ़ ने तबाही मचाई है। इस बीच दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में आज सुबह बारिश देखने को मिली। जिससे लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली। सुबह से ही आसमान में बादल छाए हुए थे। दिल्ली में भारी बारिश के कारण कई इलाकों में जलभराव की स्थिति पैदा हो गई। वहीं, जलभराव को लेकर आम आदमी पार्टी नेता और दिल्ली की पूर्व सीएम आतिशी ने भाजपा सरकार को घेरा है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट कर कहा कि 6 महीने में ही भाजपा की सरकार ने दिल्ली को डुबोकर रख दिया है। इससे पहले गुरुवार को भी दिनभर बादलों की आंख मिचौली के बीच हल्की बारिश हुई थी। इस दौरान हुई कई इलाकों में हुए जलभराव और जाम से फिर दिल्लीवासी परेशान हुए। मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार बीते 24 घंटे में दिल्ली में 13.4 एमएम बारिश दर्ज की गई। गुरुवार को अधिकतम तापमान सामान्य से 1.3 डिग्री सेल्सियस अधिक 35.4 जबकि न्यूनतम पारा सामान्य से 1.4 डिग्री सेल्सियस कम के साथ 25 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शुक्रवार को आसमान में बादल छाए रहने और दोपहर बाद हल्की से मध्यम बारिश के आसार मौसम विभाग ने जताए थे। आईएमडी के अनुसार, 30 अगस्त यानी शनिवार को गरज के साथ हल्की बारिश के आसार हैं।

इस्राइल ने गाजा सिटी को युद्ध क्षेत्र घोषित किया, 22 महीने में अब तक 63 हजार+ मौतें लाखों घायल

गाजा सिटी एजेंसी। इस्राइल ने गाजा के सबसे बड़े शहर गाजा सिटी को युद्ध क्षेत्र घोषित कर दिया है। शुक्रवार (स्थानीय समयानुसार) क्षेत्र से दो बंधकों के शव बरामद किए गए हैं। इस्राइली सेना ने यह कदम उस बड़े हमले की शुरुआत के रूप में उठाया है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निंदा हो रही है। वहीं, बीते 22 महीनों से जारी संघर्ष में अब तक 63 हजार से अधिक मौतें हो चुकी हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 159,490 लोग घायल हो चुके हैं। जैसे ही सेना ने लड़ाई फिर से शुरू करने की घोषणा की, स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि अब तक गाजा में मरने वालों की संख्या बढ़कर 63,025 हो गई है। पिछले 24 घंटों में अस्पतालों ने 59 नई मौतों की सूचना दी। वहीं, सहायता समूहों और लोगों को आश्रय देने वाले एक चर्च ने कहा है कि वे गाजा सिटी नहीं छोड़ेंगे और भूखे व बेघर लोगों की मदद जारी रखेंगे।

सेना ने शहर के बाहरी इलाकों में तेज किए हमले : यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जब इस्राइल ने कुछ हफ्ते पहले ही शहर में अपना अभियान तेज करने की योजना बनाई थी। इस शहर में लाखों लोग शरण लिए हुए हैं और भुखमरी का सामना कर रहे हैं। हाल के दिनों में सेना ने शहर के बाहरी इलाकों में हमले तेज कर दिए हैं। शुक्रवार सुबह दक्षिणी इस्राइल में सीमा पार धुएं के गुबार और जोरदार धमाकों की आवाजें साफ सुनाई दीं।

इस्राइल ने कहा गाजा सिटी हमास का गढ़ : इस्राइल का कहना है कि गाजा सिटी हमास का गढ़ है और यहां सुरंगों का नेटवर्क अब भी सक्रिय है, जबकि इस इलाके पर लगभग 23 महीने से कई बड़े हमले हो चुके हैं। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि 7 अक्तूबर 2023 जैसे हमले दोबारा न हों, इसके लिए हमास की ताकत को इस शहर में खत्म करना जरूरी है।

संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों ने सैन्य कार्रवाई की आलोचना की : संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों और सहायता समूहों ने इस सैन्य कार्रवाई की आलोचना की है, लेकिन गाजा सिटी के लोगों का कहना है कि इससे उनके हालात में कोई फर्क नहीं पड़ा है। गाजा निवासी मोहम्मद अबूल हादी ने संदेश में लिखा, नरसंहार कभी रुके ही नहीं, यहां तक कि मानवीय विराम के दौरान भी नहीं। कुछ लोग जो दक्षिण की ओर भागे, वे शुक्रवार को मध्य गाजा पट्टी में नुसेरात शरणार्थी शिविर के पास तंबू लगा रहे थे।

आयरिश मिशनरी समेत आठ लोग एक महीने बाद रिहा अनाथालय पर हमले के दौरान किया गया था अगवा

पोर्ट-ओ-प्रिंस (हैती), एजेंसी। आयरलैंड की एक मिशनरी और तीन साल एक बच्चा उन आठ लोगों में शामिल हैं, जिन्हें हैती में बंदूकधारियों ने शुक्रवार को रिहा कर दिया। इन सभी को तीन अगस्त को एक अनाथालय पर हमले के दौरान अगवा कर लिया गया था। अधिकारियों और पीड़ितों के परिजनों ने उनकी रिहाई की पुष्टि की है। गिना हेरेटी नाम की यह मिशनरी 1993 से हैती में काम कर रही हैं। वह सेंट-हेलीन अनाथालय में विशेष जरूरतों वाले बच्चों और वयस्कों के लिए चलाए जा रहे एक कार्यक्रम की निदेशक हैं। उनके परिवार ने कहा, हमारे पास इस राहत को बयां करने के लिए शब्द नहीं हैं। हम हर उस व्यक्ति का धन्यवाद करते हैं, जिसने हमारी मदद की। हम हैती के लोगों के लिए शांति और सुरक्षा की कामना करते हैं, जो लगातार हिंसा से पीड़ित हैं।

आयरलैंड के उप-प्रधानमंत्री साइमन हैरिस ने एक्स इस रिहाई की पुष्टि की। हालांकि, हैती की सरकार ने इस पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। गिना हेरेटी और अन्य सात लोगों को जिस अनाथालय से अगवा किया गया था, वह नोस पेटी फ्रेरे ए सूर्स नाम के एक अंतरराष्ट्रीय चैरिटी संस्था की ओर से संचालित किया जाता है, जिसके कार्यालय मेक्सिको और फ्रांस में हैं। संस्था की वेबसाइट के अनुसार, यह अनाथालय 240 से अधिक बच्चों की देखभाल करता है।

इस हमले की जिम्मेदारी किसी ने नहीं ली है, लेकिन यह इलाका विव अंसम नाम के गिरोह के नियंत्रण में है, जिसे अमेरिका ने इस साल विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित किया था। गुरुवार को अमेरिका ने कहा कि वह हैती में हिंसा से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र से एक नई गिरोह नियंत्रण बल चाहता है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में अमेरिका की कार्यवाहक राजदूत डोरोथी शीया ने यह जानकारी दी। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि यह बल पहले से तैनात केन्या के नेतृत्व वाले बहुराष्ट्रीय सुरक्षा बल से अलग होगा या उसी का हिस्सा रहेगा।

हैती में लगातार हिंसा बढ़ रही है। राजधानी पोर्ट-ओ-प्रिंस का अधिकांश हिस्सा अब गिरोहों के कब्जे में है। अपहरण की घटनाएं आम हो गई हैं और मिशनरियों को पहले भी निशाना बनाया गया है। वर्ष 2021 में 400 मावोजो नाम के गिरोह ने राजधानी के पास स्थित गंथियर इलाके से अमेरिका की एक संस्था के 17 मिशनरियों को अगवा कर लिया था।

15 साल बाद सबसे अधिक वर्षा वाला महीना बना अगस्त, अब तक 22 दिन हुई बरसात

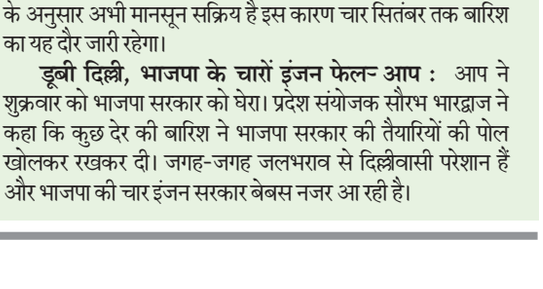

दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में मानसून एक्सप्रेस ने रफ्तार पकड़ी हुई है। इस कारण अगस्त 15 साल बाद सबसे अधिक वर्षा वाला महीना बन गया है। इस साल अगस्त में अब तक 400.5 मिमी बारिश दर्ज हो चुकी है। इससे पहले वर्ष 2010 में 455.8 मिमी बारिश हुई थी। दिल्ली में मानसून की सक्रियता के कारण अगस्त के महीने में अब तक 22 दिन बरसात हो चुकी है। 28 अगस्त तक बारिश का आंकड़ा 336.8 मिमी था, शुक्रवार को सफदरजंग मानक केंद्र पर शाम साढ़े पांच बजे तक 63.7 मिमी बारिश दर्ज की गई। इस कारण बारिश का आंकड़ा 400.5 मिमी तक पहुंच गया था। चूंकि अगस्त का महीना खत्म होने में दो दिन बाकी है और अभी बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। बारिश का ऑल टाइम रिकॉर्ड वर्ष 1961 का है जब अगस्त में 583.3 मिमी बारिश दर्ज की गई थी। शुक्रवार को कई इलाकों में सुबह बारिश ने गुड मार्निंग की। कई इलाकों में झमाझम बारिश हुई। थोड़ी देर बाद ऑफिस जाने का समय होने के कारण कई इलाकों में लोग जलभराव में फंस गए। कई इलाकों में जलभराव की स्थिति रही। शुक्रवार को सबसे अधिक 63.7 मिमी बारिश सफदरजंग मानक केंद्र पर रिकॉर्ड की गई। सुबह 11.30 बजे तक यहां 56.2 मिमी व दोपहर 2:30 बजे तक 007.2 मिमी व शाम साढ़े पांच बजे तक 000.3 मिमी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार अभी मानसून सक्रिय है इस कारण चार सितंबर तक बारिश का यह दौर जारी रहेगा।

डूबी दिल्ली, भाजपा के चारों इंजन फेल- आप : आप ने शुक्रवार को भाजपा सरकार को घेरा। प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज ने कहा कि कुछ देर की बारिश ने भाजपा सरकार की तैयारियों की पोल खोलकर रखकर दी। जगह-जगह जलभराव से दिल्लीवासी परेशान हैं और भाजपा की चार इंजन सरकार बेबस नजर आ रही है।

अमेरिका की संसदीय समिति का चीन पर सख्त रुख, एआई चिप निर्यात पर नई रणनीति लागू करने की सिफारिश की

वॉशिंगटन, एजेंसी। चीन पर अमेरिका की विशेष संसदीय समिति के अध्यक्ष जॉन मूलनार ने वाणिज्य विभाग के सचिव हावर्ड लटकनिक को पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने चीन को निर्यात की जाने वाली एआई चिप पर रोलिंग टेक्निकल थ्रेशोल्ड (आरटीटी) रणनीति लागू करने की सिफारिश की है। मूलनार मिशिगन राज्य से रिपब्लिकन पार्टी के सांसद हैं। इस रणनीति का मकसद यह है कि चीन को जो एआई चिप निर्यात किए जाएं, वे उन चिप से थोड़े बेहतर हों जिन्हें चीन खुद अपने देश में बड़े पैमाने पर बना सकता है। इस तरह अमेरिका अपनी तकनीकी बढ़त बनाए रख सकेगा। साथ ही, इस रणनीति का एक और लक्ष्य यह है कि चीन की कुल एआई कंप्यूटिंग शक्ति अमेरिका की तुलना में केवल 10त्न तक सीमित रहे, ताकि अमेरिका लंबे समय तक एआई में अग्रणी बना रहे। मूलनार ने पिछले महीने एनवीडिया कंपनी के एच20 जैसे चिप के चीन निर्यात पर नाराजगी जताई थी। ऐसे चिप चीन में बड़े पैमाने पर नहीं बना पाता है और ये चीन में बने चिप की तुलना में काफी उन्नत माने जाते हैं। संसदीय समिति की अप्रैल 2025 की डीपसीक पर रिपोर्ट के अनुसार, इन चिप ने चीन के सबसे उन्नत एआई मॉडल आर1 को तैयार करने में अहम भूमिका निभाई थी। मूलनार ने पत्र में लिखा है, हमने कई बार देखा है कि चीन अपनी तकनीक और हथियार रूस, ईरान और अन्य दुश्मन को देता है, जिससे अमेरिका के सहयोगी देशों पर हमले होते हैं। खासकर ईरान, चीन की एआई क्षमताओं का लाभ उठाने को तैयार बैठा है।

उन्होंने आगे कहा कि डीपसीक द्वारा चीनी सेना के लिए खास तौर पर तैयार किया गया आर1 मॉडल अब चीन की सैन्य क्षमताओं में एक विकल्प के रूप में शामिल हो सकता है। उदाहरण के लिए, अगर चीन ऐसे एआई-सक्षम ड्रोन के झुंड ईरान को बेचता है, जिनमें खुद-ब-खुद चलने की क्षमता, आपस में जुड़ने की क्षमता, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध तकनीक और लक्ष्य पहचान जैसी खूबियां हों, तो ये अमेरिका या इस्राइल की सेनाओं के लिए बड़ी चुनौती बन सकते हैं। मौजूदा सुरक्षा प्रणाली शायद इन तकनीकों का मुकाबला आसानी से नहीं कर पाएगी। आरटीटी रणनीति का मकसद यह है कि चीन अमेरिकी हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर पर निर्भर बना रहे, लेकिन उसकी एआई तकनीक सीमित रहे। संसदीय समिति के अनुसार, इससे अमेरिका की बढ़त बनी रहेगी। इससे पहले मूलनार ने तकनीकी रणनीति पर काम करने वाले क्रैक इंस्टीट्यूट में अपने संबोधन में कहा था कि सेमीकंडक्टर, एआई और क्वांटम कंप्यूटिंग केवल आर्थिक संसाधन नहीं है।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़एक्सीलेंस सीधी में राष्ट्रीय खेल दिवस पर प्रतियोगिता का आयोजन

खेल के क्षेत्र में असीम संभावनाएं हैं, शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए खेल आवश्यक: सांसद

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सांसद खेल महोत्सव के द्वितीय दिवस सांसद डॉ राजेश मिश्रा के मुख्य आतिथ्य में प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस संजय गांधी स्मृति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सीधी में विभिन्न प्रतियोगिताओं खो-खो, टेबल टेनिस, शतरंज का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा मां सरस्वती एवं मेजर ध्यानचंद की फोटो पर दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण से हुई।

मुख्य अतिथि सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने बच्चों को उक्त कार्यक्रम में सहभागिता करने हेतु प्रेरित किया और प्रधानमंत्री के इस स्वर्णिम पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस क्षेत्र में विद्यार्थियों के लिए कई तरह के अवसर उपलब्ध हैं। अवसरों को पहचान कर इनका लाभ उठाना चाहिए। सांसद ने कहा कि यह महोत्सव ग्राम पंचायत स्तर से संसदीय क्षेत्र स्तर तक मनाया जाएगा। इसके लिए 29 अगस्त से रजिस्ट्रेशन प्रारंभ हो गया है जो 20 सितंबर तक जारी रहेगा। 21 सितम्बर से 25 दिसम्बर तक खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जावेगा। इसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया जावेगा। सांसद ने युवाओं को इस महोत्सव में सहभागिता के लिए प्रेरित किया। सांसद द्वारा सभी को शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बनाने हेतु शपथ के द्वारा कृत संकल्पित कराया गया।

अपर कलेक्टर श्री बीपी पाण्डेय ने बताया कि फिट इंडिया मिशन द्वारा 29 से 31 अगस्त तक तीन दिवसीय राष्ट्रव्यापी खेल एवं फिटनेस आंदोलन के रूप में मनाया जा रहा है जिसका प्रेरक थीम ''एक घंटा खेल के मैदान में'' है। इस आंदोलन का उद्देश्य जीवन शैली से जुड़ी बीमारियों से बचाव के लिए हर दिन कम से कम एक घंटा शारिरिक गतिविधियां करने महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पी.के.सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया तथा विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ - साथ खेल को भी महत्व देने के लिए प्रेरित किया। तत्पश्चात खो-खो की प्रतियोगिता संपन्न हुई और अतिथियों द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं का अवलोकन किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दिलीप कुमार सोनी विभाग अध्यक्ष समाजशास्त्र द्वारा किया गया एवं आभार महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी डॉ.रविंद्र नाथ सिंह द्वारा किया गया।

उक्त कार्यक्रम एसडीएम श्री राकेश शुक्ला, तहसीलदार श्री राकेश शुक्ला, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. राम नारायण स्वर्णकार, डॉ.अरविंद त्रिपाठी, डॉ. के.बी. सिंह, डॉ.उमेश विश्वकर्मा, प्रो. दिवाकर सिंह,प्रो. उमाकांत साहू, डॉ. कोमल पांडे, श्रेया शर्मा, अरशद अंसारी, विकास सिंह, अरविंद सोनी, रामानुज पटेल, प्रशिक्षक के रूप में उपस्थित मानिंद शेर अली खान एवं कैलाश वर्मा सहित छात्र छात्राएं सम्मिलित हुए।

दुकान की छत तोड़कर घुसा चोर, नकदी और किराना सामान ले गया; सीसीटीवी में कैद, पहले यहीं करता था काम

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। धनपुरी में गोल बाजार स्थित महेश राय की किराना दुकान में शुक्रवार रात एक चोरी की वारदात हुई। चोर ने छत की एल्बस्टर सीट तोड़कर दुकान में प्रवेश किया। दुकान के गल्ले से हजारों रुपए चोरी किए।

इसी दुकान में काम करता था चोर: आरोपी ने बगल में स्थित प्रकाश कासवानी की दुकान में भी चोरी की। दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में चोर की पहचान हो गई है। वह पहले इसी किराना दुकान में काम करता था। इससे पहले 8-9 अप्रैल की रात भी इसी दुकान में चोरी हुई थी। तब भी चोरों ने छत तोड़कर प्रवेश किया था। उस वारदात में नकद समेत करीब 50 हजार रुपए का किराना सामान चोरी हुआ था। पहली घटना के आरोपी अभी तक पुलिस की पकड़ से दूर हैं। पहली चोरी के बाद दुकान मालिक ने सीसीटीवी कैमरा लगवाया था। थाना प्रभारी खेम सिंह पेंदरो ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

ढाई हजार ईंट का बिल 1 लाख पच्चीस हजार रुपए, सरपंच-सचिव के हस्ताक्षर से भुगतान; कलेक्टर बोले-पुष्टि होने पर होगी कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। ग्राम पंचायत भटिया में सरकारी पैसे के गलत इस्तेमाल का मामला सामने आया है। आंगनबाड़ी निर्माण के लिए खरीदी गई 2500 ईंटों का भुगतान 1.25 लाख रुपए किया गया। जबकि 2.5 हजार ईंटों का बिल 12 हजार 500 रुपए बनता है। सप्लायर चेतन प्रसाद कुशवाहा को यह भुगतान कर दिया गया है। बिल में प्रति ईंट 5 रुपए की दर से एक लाख पच्चीस हजार रुपए दर्ज की गई है। इस बिल पर सरपंच और सचिव दोनों के हस्ताक्षर हैं।

बिल पर सरपंच और सचिव दोनों के हस्ताक्षर: स्थानीय ईंट कारोबारी लालन मिश्रा ने बताया कि जिले में ईंटों की कीमत 4 से 10 रुपए प्रति ईंट के बीच है। इस हिसाब से भी इतने ज्यादा पैसों का भुगतान मुमकिन नहीं है।

कलेक्टर बोले- पुष्टि होने पर दोषियों के खिलाफ होगी कार्रवाई: मामले में सरपंच ने कुछ भी कहने से इनकार कर दिया है। पंचायत सचिव से संपर्क नहीं हो पाया है। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने एसडीएम को जांच के लिए भेजा है।

सोहागपुर गोशाला में चार मवेशियों की मौत

100 की क्षमता वाले गोशाला में रह रहे 350 मवेशी, पशु विभाग ने शुरू की जांच

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। जिले के सोहागपुर जनपद के बरुका रोहनिया स्थित गोशाला में शनिवार तड़के सुबह चार मवेशियों की मौत हो गई। सूचना मिलते ही पशु विभाग के डॉक्टर और अधिकारी मौके पर पहुंच गए।

100 की क्षमता वाले गोशाला में रह रहे 350 मवेशी: गोशाला में 100 मवेशियों की क्षमता है। लेकिन वर्तमान में यहां 350 से अधिक मवेशी रखे गए हैं। महिला स्व सहायता समूह की ओर से संचालित इस गोशाला में मवेशियों की संख्या अधिक होने से स्वास्थ्य समस्याएं पैदा हो रही हैं। गोशाला के केयरटेकर सूरज यादव ने बताया कि मृत मवेशी पहले से कमजोर थे। उन्हें समय पर भोजन दिया गया था। लेकिन उनकी हालत गंभीर होने के कारण उन्हें बचाया नहीं जा सका।

विभाग ने घटना की गहन जांच का दिया आश्वासन: पशु विभाग ने मवेशियों की मौत के बाद स्क्रीनिंग की। किसी गंभीर बीमारी के फैलने की पुष्टि नहीं हुई है। यह खबर ग्रामीणों के लिए राहत भरी है। विभाग ने घटना की गहन जांच का आश्वासन दिया है। साथ ही कहा है कि समस्या की जड़ तक पहुंचने के लिए कार्रवाई की जाएगी। पशु स्वास्थ्य और कल्याण के लिए गौशालाओं में मवेशियों की संख्या नियंत्रित करने का सुझाव दिया गया है।

सरपंच पुत्र निकला अवैध वसूली करने, खुद को कलेक्टर बताकर साप्ताहिक बाजार में करता है उगाही

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के ग्राम पंचायत पोड़ी 3 में सरपंच पुत्र द्वारा अवैध वसूली का मामला सामने आया है। सरपंच फूलमति साकेत के बेटे लड्डू लाल सकेत ने अपने साथियों के साथ मिलकर साप्ताहिक बाजार में अवैध वसूली की। इसका वीडियो भी सामने आया है, जिसमें सरपंच पुत्र की यह दबंगई साफ देखी जा सकती है। स्थानीय निवासी आदित्य प्रताप ने बताया है कि ग्राम पंचायत में हर शुक्रवार को साप्ताहिक बाजार लगता है। पंचायत में अभी तक बाजार बैठकी वसूली का कोई ठेका नहीं दिया गया है। इसके बावजूद सरपंच पुत्र और उनके साथी व्यापारियों से जबरन वसूली करते हैं।

व्यापारियों का आरोप है कि जो बाजार बैठकी नहीं देता, उसका सामान या तो छीन लिया जाता है या फेंक दिया जाता है। जब दुकानदारों ने वसूली का अधिकार पूछा, तो सरपंच पुत्र ने खुद को कलेक्टर बताया।

सीईओ बोले- अब तक कोई ठेका नहीं हुआ: चितरंगी जनपद के सीईओ मानसिंह ने कहा कि उन्हें इस मामले की शिकायत मिली है। उन्होंने पुष्टि की कि वहां बाजार बैठकी का कोई ठेका नहीं है। वे मामले की जांच कर रहे हैं और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इस पूरे प्रकरण का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

राष्ट्रीय संत परम पूज्य अनंत श्री विभूषित श्री श्री श्री 1008 श्री संकादिक जी महाराज अल्प प्रवास पर शिव महाशक्ति रिसोर्ट पहुंचे

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। श्री श्री श्री 1008 श्री संकादिक जी महाराज अल्प प्रवास पर शिव महाशक्ति रिसॉर्ट बरा कोठार बाईपास रीवा पहुंचे सबसे पहले महाराज श्री ने सोमेश्वर महादेव मन्दिर प्रांगण में विराजमान विघ्नहर्ता गणपति जी पर माल्यार्पण व आरती दर्शन पूजन किए तत्पश्चात सभी भक्तों एवं शिष्यों को आशीर्वचन दिया एवं गत वर्ष विश्व शांति लोक कल्याण जनहित के लिए अद्भुत अलौकिक ऐतिहासिक 1008 कुण्डीय श्री राम महा यज्ञ गत वर्ष हुआ है जिसमें विश्व भर के संतो के आशीर्वाद से रीवा की धरती सिंचित हुई थी एवं हमारा सनातन धर्म उत्तरोत्तर वृद्धि की ओर अग्रसर हो उसी उपलक्ष्य में ध्वजावाहक वार्षिकोत्सव दिसंबर माह में 13 दिसंबर से 21 दिसंबर मनाया जाना सुनिश्चित हुआ है जिसमें श्री राम कथा, श्री रामार्चा महायज्ञ, रामलीला होगा। जिसमें वरिष्ठ समाजसेवी कौशल प्रसाद मिश्रा स्वामी, सुभाष बाबू पांडे, शिवेंद्र मिश्रा, मुनेंद्र मिश्रा, विद्या भूषण ओझा, दिवाकर पांडे, अनिल मिश्रा एडवोकेट, राजकुमार सिंह तिवारी, अतुल तिवारी, विद्यासागर ओझा, लालजी पांडे, राम बिहारी पांडे, महेंद्र पांडे, रवि मिश्रा, दीक्षा, सुषमा, अन्वी, अजीत मिश्रा, नितिन शुक्ला, मनोज यादव, राजबहादुर सिंह, विकास ओझा, दीपू, गोलू, निलेश, छोटकन, संत जन, प्रबुद्ध जन, वरिष्ठ जन, भक्तजन, युवा उपस्थित रहे।

खाद वितरण बंद, किसानों ने किया चक्काजाम, कालाबाजारी के आरोप में 1 गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले में शनिवार को खाद गोदाम बंद होने से नाराज किसानों ने बैढ़न बरगमां मार्ग पर सड़क जाम कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने किसानों को समझाकर स्थिति को नियंत्रित किया।

शासकीय अवकाश की वजह से गोदाम बंद: अपर आयुक्त सहकारिता पीके मिश्रा ने बताया कि शनिवार और रविवार को शासकीय अवकाश के कारण बैढ़न का शासकीय गोदाम बंद है। जिले में खाद की कोई कमी नहीं है। जिले की कुल आवश्यकता 8 मेट्रिक टन थी, जबकि अब तक 12 मेट्रिक टन खाद की आपूर्ति हो चुकी है।

प्रशासन ने खाद की कालाबाजारी पर भी कार्रवाई: सरई इलाके के हरिप्रसाद साहू के यहां छापेमारी में 22 बोरी यूरिया खाद जब्त की गई। साहू ने यह खाद अवैध रूप से स्टॉक कर रखी थी। प्रशासन का कहना है कि सोमवार से खाद का वितरण फिर से शुरू हो जाएगा। अधिकारी किसानों को उचित तरीके से खाद का वितरण सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहे हैं।

महिला ने पुलिसकर्मियों को चप्पल लेकर 200 मीटर तक दौड़ाया, कॉन्स्टेबल को दीं गालियां

कोर्ट का आदेश लागू कराने पहुंचे थे जवान

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के मझौली थाना क्षेत्र में शनिवार को एक महिला की दो पुलिसकर्मियों से झड़प हो गई। महिला ने गालियां दीं और चप्पल लेकर पुलिसकर्मियों को पीटने के लिए दौड़ पड़ी। घटना वार्ड क्रमांक 6 में दोपहर करीब 12 बजे की है। मामला जमीन विवाद से जुड़ा है। तीरथ तिवारी और उनके भाई राजीव लोचन तिवारी के बीच विवाद चल रहा था। तहसील न्यायालय ने तीरथ तिवारी के पक्ष में फैसला सुनाया। राजीव लोचन को घर निर्माण रोकने का आदेश दिया गया।

आरक्षक को 200 मीटर तक दौड़ाया: न्यायालय के आदेश का पालन कराने प्रधान आरक्षक रामनरेश कोल और आरक्षक आशुतोष मिश्रा मौके पर पहुंचे। राजीव लोचन की पत्नी सुनीता तिवारी ने पुलिसकर्मियों से गाली-गलौज की। आरक्षक आशुतोष मिश्रा पर चप्पलों से हमला कर दिया। उन्होंने आरक्षक को करीब 200 मीटर तक दौड़ाया।

महिला बोली- पुलिस ने बेटे का मोबाइल तोड़ने की कोशिश की: इस दौरान सुनीता के बेटे ने मोबाइल से वीडियो बनाना शुरू किया। पुलिस ने उसे रोकने की कोशिश की। सुनीता का कहना है कि पुलिस ने उनके बेटे से गाली-गलौज की और मोबाइल तोड़ने का प्रयास किया। उन्होंने बेटे की रक्षा के लिए यह कदम उठाया।

आरक्षक ने कार्रवाई के लिए दिया आवेदन: मझौली थाना प्रभारी एसआई विशाल शर्मा ने बताया कि आरक्षक आशुतोष मिश्रा की शिकायत पर आवेदन लिया गया है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर लोग पोस्ट कर रहे हैं।

वन स्टॉप सेंटर में विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के आदेशानुसार तथा प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुकेश कुमार शिवहरे, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सीधी कपिल देव काछी, मृदुल लटौरिया, जिला विधिक सहायता अधिकारी मनीष कौशिक द्वारा 30 अगस्त को वन स्टॉप सेंटर में जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी शिवहरे द्वारा उपस्थित लोगों को मौलिक कर्तव्य, मानव अधिकार, मध्यस्थता, नेशनल लोक अदालत, नि:शुल्क विधिक सहायता, नालसा, सालसा एवं राज्य शासन द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। उक्त शिविर में कपिल देव काछी न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सीधी द्वारा उपस्थित लोगो को नालसा हेल्पलाईन नंबर 15100, गरीबी उन्मूलन योजना का प्रभावी क्रियान्वयन, डॉन- (नशा मुक्त भारत के लिए नशा जागरूकता और कल्याण मार्गदर्शन) योजना 2025, वरिष्ठ नागरिकों को विधिक सेवा योजना तथा शासन की योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही मध्यस्थता योजना के बारे में विस्तार से बताया। श्री मृदुल लटौरिया ने उपस्थित लोगों को पीड़ित प्रतिकर योजना, लोक अदालत योजना के संबंध में जानकारी दी गई।

उक्त शिविर में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुकेश कुमार शिवहरे, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी कपिल देव काछी, मृदुल लटौरिया एवं जिला विधिक सहायता अधिकारी मनीष कौशिक, वन स्टॉप सेंटर की प्रशासक मोनिका टिग्गा, वन स्टॉप सेंटर तथा जिला प्राधिकरण के कर्मचारीगण एवं आमजन उपस्थित रहे।

जिले में पदस्थ राजस्व अधिकारियों के मध्य नवीन कार्य विभाजन आदेश जारी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर स्वरोचिष द्वारा प्रशासनिक कार्य सुविधा की दृष्टि से प्रसारित कार्य विभाजन आदेशों को अधिक्रमित करते हुए जिले में पदस्थ मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सीधी, अपर कलेक्टर, संयुक्त कलेक्टर एवं डिप्टी कलेक्टर्स के मध्य नवीन कार्य विभाजन आदेश जारी किया गया है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज (भाप्रसे) पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के माध्यम से संचालित समस्त योजनाएं, 20 सूत्रीय कार्यक्रम, राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग, हथकरघा, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा मिशन, सर्व शिक्षा अभियान, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, सामाजिक न्याय सेवाएं, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, स्वास्थ्य, अधीक्षक सह जिला आयुर्वेद के प्रभारी अधिकारी होंगे। इसके साथ ही जनजातीय कल्याण विभाग, कृषि, उद्यान, भू-जल सर्वेक्षण, मत्स्य, रेशम केन्द्र, पशु चिकित्सा सेवाएं, जीव विविधता एवं जीव प्रौद्योगिकी, महिला एवं बाल विकास, जिला उद्योग केन्द्र, ऊर्जा, ग्रामोद्योग एवं प्रौद्योगिकी, कौशल विकास केन्द्र, श्रम विभाग, पर्यटन, समस्त स्वरोजगार मूलक योजनाओं एवं कार्यक्रम, समस्त बीमा योजनाओं का (कृषि बीमा छोड़कर) क्रियान्वयन, दीनदयाल अंत्योदय उपचार योजना, जननी सुरक्षा योजना, प्रसव हेतु परिवहन एवं उपचार योजना, परिवार कल्याण कार्यक्रम, राष्ट्रीय दृष्टिहीनता नियंत्रण कार्यक्रम, स्कूली बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण, राष्ट्रीय आयोडीन अल्पता विकार नियंत्रण कार्यक्रम, विजयाराजे जननी कल्याण बीमा योजना, राष्ट्रीय टीकाकरण, बाल शक्ति योजना, बाल संजीवनी अभियान का क्रियान्वयन, ग्रामीण विकास से संबंधित समस्त विभागों के कार्यों की समीक्षा एवं क्रियान्वयन का दायित्व निर्वहन करेंगे एवं अन्य विभागों की नस्तियां मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत के माध्यम से कलेक्टर को प्रस्तुत की जाएंगी।

ट्रंप की मनमानी और भारत-चीन के संबंध

संपादकीय

भारत इसकी अनदेखी नहीं कर सकता कि तेज आर्थिक विकास के मामले में चीन उससे कहीं आगे है। वह दुनिया का कारखाना तो बना ही हुआ है आधुनिक तकनीक के मामले में भी अपनी छाप छोड़ रहा है। कुछ मामलों में तो वह अमेरिका को भी चुनौती दे रहा है। इसी कारण अमेरिकी राष्ट्रपति टैरिफ मामले में चीन के प्रति अपेक्षाकृत नरमी दिखाने को विवश हैं।

जापान के बाद चीन पहुंच रहे भारतीय प्रधानमंत्री पर भारत के साथ-साथ विश्व की भी निगाहें होंगी, क्योंकि एक तो वह सात वर्षों बाद वहां जा रहे हैं और दूसरे ऐसे समय जा रहे हैं, जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की मनमानी टैरिफ नीति से विश्व परेशान है। यद्यपि प्रधानमंत्री मोदी शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन में शामिल होने जा रहे हैं, लेकिन वहां उनकी मुलाकात चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग से भी होगी और यह स्वाभाविक ही है कि इस दौरान दोनों देशों के संबंधों पर भी बातचीत होगी। यह होनी भी चाहिए, क्योंकि दोनों देशों के बीच कुछ मुद्दे अनसुलझे हुए हैं और उनके कारण संबंधों में अविश्वास एवं खिंचाव है।

देखना यह है कि भारतीय प्रधानमंत्री और चीनी राष्ट्रपति के बीच की मुलाकात दोनों देशों के संबंधों में भरोसा और सहयोग कायम करने में सहायक बनती है या नहीं? जो भी हो, भारत को अपने हितों की पूर्ति के लिए चीन से सुधरते संबंधों का अधिकतम उपयोग करना चाहिए और एससीओ के साथ-साथ ब्रिक्स जैसे मंचों को भी अपने पक्ष में भुनाना चाहिए।

यह इसलिए आवश्यक है, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत को निशाने पर ले रखा है। वैसे तो चीन भी उनके निशाने पर है, लेकिन भारत के खिलाफ उनकी निगाह कुछ ज्यादा ही टेढ़ी है। यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि ट्रंप की बेतुकी टैरिफ नीति के कारण ही चीन ने भारत से संबंध सुधारना बेहतर समझा। समय की मांग को देखते हुए भारत ने भी ऐसा ही करना उचित समझा। भारत के लिए तेज गति से विकास अनिवार्य है। भारत की सर्वोच्च प्राथमिकता तीव्र विकास और जितनी जल्दी संभव हो, चीन के बराबर खड़ा होने की कोशिश होनी चाहिए। इससे ही देश वास्तविक महाशक्ति बनेगा। चूंकि चीन के साथ दशकों से अनसुलझे मुद्दे रातों-रात नहीं हल होने वाले, इसलिए भारत की कोशिश यही होनी चाहिए कि वह तेज विकास और विशेष रूप से मैन्यूफैक्चरिंग में समर्थ बनने में चीन से सीख ले। भारत इसकी अनदेखी नहीं कर सकता कि तेज आर्थिक विकास के मामले में चीन उससे कहीं आगे है। वह दुनिया का कारखाना तो बना ही हुआ है, आधुनिक तकनीक के मामले में भी अपनी छाप छोड़ रहा है। कुछ मामलों में तो वह अमेरिका को भी चुनौती दे रहा है।

गणपति उत्सव या पार्टी

नवीन सी. चतुर्वेदी

फैला दसों दिशाओं में जितना प्रकाश है
हर मन में जो बसा है उसी का प्रकाश है

घुटरू हमारे मुहल्ला में गणपति आये हैं? का कहै बत्तो? गणपति आये हैं? मतलब अब तक गणपति कहूँ और रह रहे हुते? तेरे मुहल्ला में जो हर चौथ कों चोला चढ़ायौ जावै वौ कौन पै चढ़ायौ जावै? और जो भर-भर थार लड्डुआ'न के भोग लगें वे कौन कों लगें?

तू सीधी बात नाँय कर सवैस का? उलटौ बोलवौ जरुरी है का? जैसें मुम्बई में गणपति बप्पा मोरिया होवै है नें वैसें ही अब हमारे गाम वारे हू गणपति बप्पा मोरिया मनायवे लगे हैं। खूब सुंदर गणपति लामें। पिछली साल तौ चंदा कम भयो सो बस पच्चीस हजार के ही लाये। अबकी बार पचास हजार के लाये हैं; और मंडप हू अबकें भन्नाट सजवायौ है। मूजिक वारे सों हू कह दीनी है कि बोरिंग नाँय नए जमाने के तड़कते-फड़कते गाने लगावै।

बत्तो मैं यै कह रयो कि

अरे छोड़ तू का कहैगौ सब पतौ है। मैं जानों तेरी आदत'न कों। लेक्चर देयगौ और का। अबकी बार डेकोरेशन बजट डबल है। चमाचम-लाईट और धमाधम-मूजिक बिना त्यौहार, त्यौहार जैसौ लगै ही नाँय नें। चाय-नाश्ता वारे सों हू कह दीनी है कि दिन में जितनी बार चाय लगै देते जानों है, नो रोक-टोक। सवेरें-संजा के नाश्ता में रोज चाय-बिस्कुट नाँय, बदल-बदल कें नाश्ता आनों चैयें। कभू समोसा कभू कचौरी कभू पकौरी, बदल-बदल कें। नो रिपीटेशन।

अरे बत्तो सुन तौ सही

नाँय सुननी तेरी; और सुन छोरा-छापरे'न की स्पेशल दवा की हू व्यवस्था है। दिनभर मेहनत करगे, थक तौ जामगे ही। तू समझ गयौ नें?

सब समझ गयौ तू जो कह रही है। एक बात बताय तोय पतौ है यै उत्सव कब, कौन नें और क्यों आरंभ कियौ हुतो?

मैं इन सब बात'न में मूड़ नाँय मारों, अपनों सिद्धांत तौ बस यै है कि नगाड़ा खड़का और अपुन फड़का।

नगाड़े खड़कवे पै तौ घोड़ा-घोड़ी हू नाचवे लगें, अपुन घोड़ा-घोड़ी हैं का? गणपति उत्सव मनाय रहे हौ यै तौ भौत ही बढ़िया बात है, परंतु तेरी बात'न सों लग रह्यौ है कि उत्सव की आड़ में पार्टी की व्यवस्था है रही है। यै उत्सव आँख'न कों खोलवे के लिएं आरंभ भयौ हुतो, आँख'न वारे सूरदास बनवे के लिएं नाँय। मेरी बात बुरी लगै तौ क्षमा कर दीजो परंतु उत्सव कों उत्सव की तरें मनानों चैयें, पार्टी की तरें नाँय।

भ्रम दूर कर न पाये वो खद्योत भी नहीं
आँखों को खोल दे वो ही सच्चा प्रकाश है

आत्मनिर्भरता में सहायक नारी शक्ति, आधी आबादी के बिना अधूरी है पूरी व्यवस्था

ऋतु सारस्वत।

इस योजना का उद्देश्य 2024-25 से 2025-2026 की अवधि के दौरान 15000 चुनिंदा महिला स्वयं सहायता समूहों को ड्रोन प्रदान करना है ताकि कृषि उद्देश्यों के लिए किसानों को किराए की सेवाएं प्रदान की जा सकें। लीक से हटकर करने की चाह को जब सरकारी संरक्षण और प्रोत्साहन प्राप्त हो तो महिलाओं को सशक्त और संबल होने से कोई नहीं रोक सकता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से एक बार फिर आत्मनिर्भर भारत की बात की। स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर उन्होंने कहा, 'एक राष्ट्र के लिए आत्मसम्मान की सबसे बड़ी कसौटी आज भी उसकी आत्मनिर्भरता है। विकसित भारत का आधार भी है आत्मनिर्भर भारत। आत्मनिर्भरता का नाता हमारे सामर्थ्य से जुड़ा हुआ है और जब आत्मनिर्भरता खत्म होने लगती है, तो सामर्थ्य भी निरंतर क्षीण होता जाता है और इसलिए हमारे सामर्थ्य को बचाए, बनाए और बढ़ाए रखने के लिए आत्मनिर्भर होना बहुत अनिवार्य है।'

आत्मनिर्भरता भारत की संकल्पना ही नहीं, अपितु वह सत्य है, जो आत्मबल की कथा लिखती है। आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महिलाओं की भूमिका अपेक्षित ही नहीं, अपरिहार्य भी है। नारी शक्ति अब केवल एक विचार नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय अभियान बनना चाहिए। विगत एक दशक में महिलाएं केवल योजनाओं की लाभार्थी नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की सक्रिय भागीदार भी बन चुकी हैं। देश की आधी आबादी का सशक्तीकरण अब सामाजिक सुधार नहीं, बल्कि विकास की रणनीति बनने को है। आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 ने भारत में महिला श्रम भागीदारी दर में उल्लेखनीय वृद्धि को उजागर किया, जो विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की कार्यक्षमता में वृद्धि के कारण हुआ।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में मुद्रा योजना से बदलते आर्थिक परिदृश्य और महिलाओं के सशक्तीकरण में उसकी अहम भूमिका की चर्चा की। मुद्रा योजना के कुल लाभार्थियों में 68 प्रतिशत महिलाएं हैं, जो देश भर में महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों को आगे बढ़ाने में इस योजना की महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है। वित्त वर्ष 2016 और वित्त वर्ष 2025 के बीच प्रति महिला प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की वितरण राशि 13 प्रतिशत से बढ़कर 62,679 रुपये तक पहुंच गई, जबकि प्रति महिला वृद्धिशील जमा राशि वर्ष दर वर्ष 14 प्रतिशत बढ़कर 95,269 रुपये हो गई। ऋण वितरण में महिलाओं की अत्यधिक हिस्सेदारी वाले राज्यों ने महिलाओं के नेतृत्व वाले एमएसएमई के माध्यम से काफी अधिक रोजगार सृजन किया है, जो महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण और श्रम बल भागीदारी को बढ़ाने में लक्षित वित्तीय समावेशन को मजबूत करता है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के अनुसार यह योजना महिलाओं के नेतृत्व वाले व्यवसायों को वित्त तक पहुंच प्रदान करने में सहायक रही है।

आत्मनिर्भर भारत की एक सुदृढ़ नींव के शिल्पकार 'महिला स्वयं सहायता समूह' भी हैं, जिनकी प्रधानमंत्री ने लाल किले से प्रशंसा करते हुए कहा, 'पिछले 10 साल में वूमेन सेल्फ हेल्प ग्रुप ने कमाल करके दिखाया है। आज उनके प्रोडक्ट दुनिया के बाजार में जाने लगे हैं।' स्वयं सहायता समूह आत्मनिर्भर भारत का नवीन कथानक लिख रहे हैं। 31 जनवरी, 2025 तक लगभग 10.05 करोड़ महिला परिवारों को 90.90 लाख स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) में शामिल किया गया है। स्वयं सहायता समूह आमतौर पर समान सामाजिक आर्थिक पृष्ठभूमि वाली 10-12 महिलाओं का एक समुदाय होता है। एसएचजी से जुड़ी महिलाएं संयुक्त आर्थिक गतिविधियां शुरू करने के लिए अपने वित्तीय संसाधनों को एकत्रित करने या सदस्यों को छोटा व्यवसाय शुरू करने के लिए उचित ब्याज दर पर ऋण देने के लिए संगठन बनाती हैं। भारत के स्वयं सहायता समूहों को सामूहिक रूप से दुनिया की सबसे बड़ी माइक्रोफाइनेंस परियोजना माना जाता है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार स्वयं सहायता समूह की बैंक पुनर्भुगतान दर 96 प्रतिशत से अधिक है, जो उनके ऋण अनुशासन और विश्वसनीयता को रेखांकित करती है।

प्रधानमंत्री ने 'नमो ड्रोन दीदी नारी शक्ति योजना' का भी उल्लेख किया। 15 अगस्त, 2023 को प्रारंभ की गई नमो ड्रोन दीदी योजना स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को कृषि में ड्रोन के उपयोग के लिए 80 प्रतिशत सब्सिडी (आठ लाख रुपये तक) और प्रशिक्षण प्रदान करके सशक्त बनाती है, जिससे उनकी आय सालाना एक लाख रुपये से अधिक तक बढ़ जाती है, टिकाऊ खेती को बढ़ावा मिलता है और ग्रामीण रोजगार एवं वित्तीय समावेशन को बढ़ावा मिलता है।

इस योजना का उद्देश्य 2024-25 से 2025-2026 की अवधि के दौरान 15,000 चुनिंदा महिला स्वयं सहायता समूहों को ड्रोन प्रदान करना है, ताकि कृषि उद्देश्यों के लिए किसानों को किराए की सेवाएं प्रदान की जा सकें। लीक से हटकर करने की चाह को जब सरकारी संरक्षण और प्रोत्साहन प्राप्त हो तो महिलाओं को सशक्त और संबल होने से कोई नहीं रोक सकता। राष्ट्रीय आजीविका मिशन के अंतर्गत देश भर में महिला सशक्तीकरण परियोजना चल रही है।

इस परियोजना के अंतर्गत महिला किसानों को कृषि के आधुनिक तौर-तरीके सिखाए जा रहे हैं। इन्हीं प्रयासों की परिणति 'देसी कोल्ड स्टोर' है, जो झारखंड की महिला किसान बांस से बना रही हैं। इसकी लागत पंद्रह सौ से दो हजार रुपये आती है और इससे छह महीने तक आलू खराब नहीं होते। महिलाओं के उत्थान में स्थानीय समुदायों और राष्ट्र को समग्र रूप से बदलने की क्षमता है।

कारखानों में उत्पादन बढ़ाना है तो सिर्फ आंकड़ों पर रहना काफी नहीं...

इसमें दोराय नहीं कि भारत को अपने औद्योगिक उत्पादन की रफ्तार तेज करनी होगी। छोटे लक्ष्यों को आधार मान कर और आंकड़ों के भरोसे अब नहीं रहा जा सकता। निर्माण क्षेत्र में अच्छे प्रदर्शन से भारत में औद्योगिक उत्पादन की लुभावनी तस्वीर जरूर दिख रही है, लेकिन सच्चाई यह है कि पिछले वर्ष के मुकाबले इस मोर्चे पर चमक धुंधली या कमजोर ही पड़ी है। सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, बीती जुलाई में औद्योगिक उत्पादन चार महीने के उच्चतम स्तर पर यानी 3.5 फीसद पर पहुंच गया है।

दरअसल, इसकी बड़ी वजह विनिर्माण क्षेत्र में आई तेजी है। मगर इसके बरक्स इसी वर्ष मार्च में यह 3.9 फीसद थी। जबकि पिछले वर्ष जुलाई में उत्पादन पांच फीसद की दर से बढ़ा था। यानी सालाना आधार पर तुलना करें, तो पिछले चार महीने के उच्च स्तर पर उत्पादन वृद्धि को बहुत उत्साहजनक नहीं माना जा सकता। वहीं इस वृद्धि को सिर्फ विनिर्माण क्षेत्र के भरोसे भी नहीं छोड़ा जा सकता। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के संशोधित आंकड़े खुद यह बताते हैं कि खनन उत्पादन में 7.2 फीसद गिरावट आई है। जबकि एक वर्ष पहले इसमें 3.8 फीसद की वृद्धि दर्ज की गई थी। इस बार बिजली उत्पादन भी उत्साहवर्धक नहीं।

ओवैसी बनाम इमरान नज़ाकत, नफासत है, लेकिन दिशा नदारद

इमरान का यह आरोप कि ओवैसी भाजपा के मददगार हैं, कोई नया नहीं है। कांग्रेस और उसके सहयोगी दल वर्षों से यही राग अलापते रहे हैं। बार-बार दोहराए जाने वाले ऐसे आरोप अब केवल चुनावी हथकंडा भर प्रतीत होते हैं। वजह साफ है, कांग्रेस का अपना लंबा इतिहास भी सवालों से घिरा है। मुसलमान अक्सर यह पूछते हैं कि सात दशकों की सत्ता में कांग्रेस ने उन्हें कितना सशक्त किया। बेरोज़गारी, शिक्षा में पिछड़ापन, दंगों की विरासत और राजनीतिक हिस्सेदारी की कमी, इन सबका जिक्र होता है और उंगलियां कांग्रेस पर ही उठती हैं।

सैयद सलमान मुंबई

भारतीय राजनीति में अक्सर ऐसा मोड़ आता है जब कोई बयान, कोई आरोप या कोई जुमला सुर्खियों में जगह पाता है और जनता उसी बहस में उलझकर रह जाती है। फिलहाल मुसलमानों की सियासत भी ऐसे ही हालात से गुजर रही है। दो मुस्लिम नेताओं असदुद्दीन ओवैसी और इमरान प्रतापगढ़ी की तकरार इसी सिलसिले की एक और कड़ी है। सवाल यह नहीं कि कौन ज्यादा तेजतर्रार है या किसकी तकरीर अधिक धारदार है, बल्कि यह है कि इस अदावत से मुसलमानों का क्या भला होगा?

इमरान का यह आरोप कि ओवैसी भाजपा के मददगार हैं, कोई नया नहीं है। कांग्रेस और उसके सहयोगी दल वर्षों से यही राग अलापते रहे हैं। बार-बार दोहराए जाने वाले ऐसे आरोप अब केवल चुनावी हथकंडा भर प्रतीत होते हैं। वजह साफ है, कांग्रेस का अपना लंबा इतिहास भी सवालों से घिरा है। मुसलमान अक्सर यह पूछते हैं कि सात दशकों की सत्ता में कांग्रेस ने उन्हें कितना सशक्त किया। बेरोज़गारी, शिक्षा में पिछड़ापन, दंगों की विरासत और राजनीतिक हिस्सेदारी की कमी, इन सबका जिक्र होता है और उंगलियां कांग्रेस पर ही उठती हैं। ऐसे में इमरान जब ओवैसी पर भाजपा का साथी होने का ठप्पा लगाते हैं, तो यह आरोप जमीनी सच्चाई से ज्यादा पार्टी-निर्देशित बयान लगता है।

मगर तस्वीर का दूसरा पहलू भी है। असदुद्दीन ओवैसी ने मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन को हैदराबाद से राष्ट्रीय पटल तक ज़रूर खड़ा किया, लेकिन उनकी सियासत भी खामियों से मुक्त नहीं है। वे मुसलमानों की एक मजबूत आवाज बने, पर इस आवाज ने कई बार मुसलमानों को बाकी समाज से अलग-थलग करने का काम भी किया। भाजपा सहित अन्य दलों को खुलेआम चुनौती देने के बावजूद ओवैसी अब तक मुसलमानों को देश-व्यापी स्तर पर कोई

ठोस विकल्प नहीं दे पाए। उनके तीखे भाषण सुर्खियां तो बटोरते हैं, लेकिन समाज की वास्तविक तरक्की का मार्ग वहीं का वहीं अटका रहता है।

उधर इमरान प्रतापगढ़ी का मामला और दिलचस्प है। वे एक शायर के तौर पर युवाओं में मक़बूल हुए, लेकिन चुनावी मैदान में उनका प्रदर्शन फिसड्डी साबित हुआ। मुरादाबाद लोकसभा चुनाव में उनकी हार साबित करती है कि उनकी पकड़ जमीन पर मजबूत नहीं है। आज वे राज्यसभा में हैं, लेकिन जनता के बल पर नहीं, बल्कि कांग्रेस की मेहरबानी से। ऐसे में उनका मुसलमानों के रहनुमा होने का दावा खोखला नजर आता है। उनकी सियासत जमीन से ज्यादा मंच और सोशल मीडिया पर फलती-फूलती है।

कभी ओवैसी भाइयों की शान में कसीदे पढ़ने वाले इमरान अब कांग्रेस के नेता की भूमिका में हैं। उन्हें कांग्रेस का मुस्लिम चेहरा या प्रवक्ता कहा जा सकता है, लेकिन समाज का सच्चा रहबर नहीं। वैसे, ओवैसी समर्थकों द्वारा उनके खिलाफ चलाई गई मुहिम भी बचकानी सियासत का ही हिस्सा है। सवाल यह है कि ओवैसी बनाम इमरान की इस अदावत से आम मुसलमानों की जिंदगी में क्या बदलेगा? क्या इससे बेरोजगारी कम होगी? क्या शिक्षा के बेहतर अवसर या ज्यादा रोजगार मिलेंगे? अफसोस, जवाब हमेशा 'नहीं' ही होता है।

सच यही है कि दोनों खेमे मुसलमानों को भावनाओं की आंच में झोंककर अपनी-अपनी सियासी रोटियां सेंक रहे हैं। एक तरफ इमरान हैं, जो कांग्रेस की पुरानी लाइन को नई पैकेजिंग में पेश कर रहे हैं। दूसरी तरफ ओवैसी हैं, जो एक अलग पहचान का दम तो भरते हैं, लेकिन उस पहचान को तरक्की की सीढ़ियों पर आगे कैसे बढ़ाना है, इसका कोई ठोस खाका उनके पास नहीं दिखता। दोनों की सियासत में नजाकत, नफासत तो है, लेकिन दिशा नदारद है।

असल समस्या यही है कि मुस्लिम राजनीति आज भी दो सूत्रीय कार्यक्रम में सिमट कर रह गई है, 'भाजपा को हराना' और 'अलग पहचान बनाना'। ये नारे बुनियादी मुद्दों से ध्यान भटकाते हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और आर्थिक बराबरी के सवाल इधर-उधर टाल दिए जाते हैं। जब तक मुसलमान अपने नेताओं से इन असली मसलों पर जवाब नहीं मांगेंगे, तब तक चाहे ओवैसी की तकरीरें हों या इमरान की शायराना सियासत, जनता का भला नहीं होना।

जरूरत इस बात की है कि मुसलमान किसी एक पार्टी या एक नेता की मोहब्बत या दुश्मनी में कैद न हों। नेताओं से यह सख्ती से पूछा जाए कि उनकी नीतियां स्कूलों, रोजगार, कारोबार और सामाजिक बराबरी के लिए क्या ठोस उपाय पेश करती हैं। केवल भावनात्मक नारे वोट मांगने का आधार न बन सकें।

हकीकत यही है कि ओवैसी और इमरान के सियासी शो और तकरार के बीच असली सियासत वही होगी जो समाज को हक और बराबरी दिलाए, रोजगार और शिक्षा की राह खोले और तरक्की का भरोसा जगाए। वह राजनीति नहीं, जो केवल दूसरे को नीचा दिखाने और आरोप-प्रत्यारोप में वक्त गंवाए। मुसलमानों के सामने दो रास्ते हैं। या तो वे इन बेमकसद अदावतों में तालियां बजाते रहें या फिर नेताओं से सीधे सवाल करें कि 'हमारे हिस्से का असल फायदा आखिर कहां है?'

जनजातीय क्षेत्रों में योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए सामूहिक सहभागिता जरूरी: पर्यटन मंत्री

आदि कर्मयोगी अभियान के तहत सरगुजा में जिला स्तरीय उन्मुखी कार्यक्रम सम्पन्न

मीडिया ऑडीटर, रायपुर, (निप्र)। पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किए गए आदि कर्मयोगी अभियान जनजातीय क्षेत्रों के लिए एक परिवर्तनकारी राष्ट्रीय आंदोलन है। यह अभियान सब का साथ सबका विकास सबका विश्वास सबका प्रयास के ध्येय को लेकर शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य के जनजाति क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए तेजी से प्रयास किए जा रहे हैं, केन्द्र और राज्य सरकार के कार्यक्रमों को और बेहतर ढंग से क्रियान्वयन के लिए सामूहिक सहभागिता आवश्यक है। श्री अग्रवाल आज अम्बिकापुर में आदि कर्मयोगी अभियान के

अंतर्गत जिला स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे।पर्यटन मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि आदि कर्मयोगी अभियान का उद्देश्य अनुसूचित जनजाति समुदायों से जुड़े सरकारी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जनजातीय क्षेत्रों में प्रभावी एवं उत्तरदायित्वपूर्ण सेवा प्रदान करने हेतु प्रेरित करना और उन्हें सुशासन, नैतिकता एवं उत्तरदायित्व की दिशा में प्रशिक्षित करना है, जिससे जनजातीय परिवारों को केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित कार्यक्रमों से लाभान्वित किया जा सके। लुण्ड्रा विधायक प्रमोद मिंज ने कहा कि यह नई योजना जनजातीय समुदाय के लिए नई उम्मीदें और सपने लेकर आई है। उन्होंने कहा कि बिजली, पानी, सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं की पूर्ति तभी संभव है जब सभी लोग सामुदायिक प्रयासों से मिलकर कार्य करें।कलेक्टर विलास भोसकर ने आदि कर्मयोगी अभियान को उपयोगी बताते हुए कहा कि यदि हम आज बेहतर कार्य करेंगे तो आने वाला समय भी उज्ज्वल होगा। उन्होंने सभी विभागों और जनप्रतिनिधियों से परस्पर समन्वय स्थापित कर योजना को सफल बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह अभियान न केवल अधिकारियों की कार्यकुशलता बढ़ाने का माध्यम है, बल्कि जनजातीय समुदायों की संस्कृति, अधिकारों और आवश्यकताओं को समझने की एक संवेदनशील पहल भी है। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरूपा सिंह, उपाध्यक्ष देवनारायण यादव सहित जिला पंचायत सदस्य, जनपद पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष सहित जिले के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी और विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।उन्मुखीकरण कार्यक्रम में जानकारी दी गई कि सरगुजा जिले में कुल 416 आदिवासी बहुल ग्राम चिन्हित किए गए हैं, जहां लगभग 8320 ग्राम स्तर पर चेंज लीडर कैडर तैयार किए जाएंगे। धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान 2024-25 के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा 50 प्रतिशत या 500 से अधिक आदिवासी जनसंख्या वाले ग्रामों को प्राथमिकता से चुना गया है।

मुख्यमंत्री साय का स्वागत करने जवाहर नगर मंडल के पदाधिकारी बस से रवाना

मीडिया ऑडीटर, रायपुर, (निप्र)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय अपने 10 दिवसीय जापान और दक्षिण कोरिया दौरे के बाद 30 अगस्त को राजधानी रायपुर लौट रहे हैं। मुख्यमंत्री की वापसी पर भाजपा, युवा मोर्चा और महिला मोर्चा कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य स्वागत की तैयारियां की गई हैं।

स्वागत के लिए निकली बस :मुख्यमंत्री के राजधानी आगमन पर स्वागत करने के लिए जवाहर नगर मंडल की ओर से शनिवार को एक बस रवाना की गई। इसमें मंडल अध्यक्ष संदीप जंघेल, स्ब्रुष्ट सदस्य पार्षद अवतार सिंह बागल, पूर्व जिला अध्यक्ष राजेश पांडे, पूर्व पार्षद भारती बागल, महामंत्री रमेश शर्मा, गीता रेड्डी, उपाध्यक्ष साजन श्रीवास, नीलू तलमले, संगीता जैन, पूनम सोनी, शंकर शर्मा, सूरज शर्मा, दिनेश शर्मा, मनोज विश्वकर्मा और प्रियंका साहू विशेष रूप से मौजूद थे।

निवेश और रोजगार पर फोकस :सीएम विष्णु देव साय ने अपनी विदेश यात्रा के उद्देश्य को साझा करते हुए कहा कि इसका मकसद छत्तीसगढ़ में विदेशी निवेश आकर्षित करना है। उन्होंने बताया कि निवेश से प्रदेश के युवाओं, महिलाओं और बेरोजगारों को रोजगार मिलेगा। साथ ही, किसानों, श्रमिकों और स्थानीय उद्यमियों को भी इसका लाभ होगा।

खाद्य प्रसंस्करण, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, स्टील और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में संभावित निवेश से हजारों रोजगार के अवसर सृजित होंगे। इसके अलावा, तकनीकी हस्तांतरण से स्थानीय उद्योगों की गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता भी मजबूत होगी।भाजपा कार्यकर्ताओं का कहना है कि मुख्यमंत्री का यह दौरा छत्तीसगढ़ की आर्थिक दिशा और औद्योगिक भविष्य के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

सांसद बृजमोहन ने किया सांसद खेल महोत्सव के लोगो का विमोचन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर, (निप्र)। रायपुर सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल ने शुक्रवार को दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में सांसद खेल महोत्सव के लोगो का विमोचन किया और आयोजन की औपचारिक घोषणा की। यह महोत्सव आगामी 21 सितंबर से 25 दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा।इस अवसर पर अग्रवाल ने कहा कि, खेलों की असली खूबसूरती जीत या हार में नहीं, बल्कि उस सफ़र में है जहाँ प्रयास ही स्वयं पुरस्कार बन जाता है।

जब पसीने की बूंदें मिट्टी से मिलती हैं, तो शरीर स्वस्थ, मन प्रफुल्लित और आत्मा संतुष्ट हो जाती है। खेल केवल खेल नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला है।उन्होंने बताया कि सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत रायपुर लोकसभा क्षेत्र की सभी 9 विधानसभाओं में ब्लॉक स्तर पर स्कूल एवं कॉलेजों की प्रतियोगिताएँ आयोजित होंगी। इनमें 12 खेल विधाओं के अंतर्गत लगभग 10 हजार खिलाड़ी भाग लेंगे। महोत्सव का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक व्यक्ति को खेलों से जोड़ना और गाँव-गाँव, घर-घर में छुपी खेल प्रतिभाओं को सामने लाकर उन्हें राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर मंच उपलब्ध कराना है।

उन्होंने फिट इंडिया मुहिम का आह्वान करते हुए कहा कि हर व्यक्ति को स्वयं भी खेलों में सक्रिय भाग लेना चाहिए और दूसरों को भी खेलने के लिए प्रेरित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैदान में उतरने वाला हर खिलाड़ी अनुशासन, धैर्य और आत्मविश्वास की पाठशाला से गुजरता है।इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री अरुण साव, छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर शशांक सिंह, छत्तीसगढ़ की पहली महिला एवं अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ी किरण पिस्दा, अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी श्रेयांश जायसवाल, प्रसिद्ध हॉकी खिलाड़ी मृणाल चौबे, खेल विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, खिलाड़ी व युवा उपस्थित रहे।

नो हेलमेट नो पेट्रोल : पेट्रोल पंप एसोसिएशन 1 सितम्बर से शुरू करेगा अभियान

मीडिया ऑडीटर, रायपुर, (निप्र)। रायपुर पेट्रोल पंप एसोसिएशन आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए स्वतः आगे आकर नो हेलमेट नो पेट्रोल का अभियान जिले में शुरू करने जा रहा है। एसोसिएशन के अध्यक्ष अखिल धगट के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने आज उप मुख्यमंत्री अरुण साव और कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह को ज्ञापन सौंपा।श्री धगट ने कहा कि रायपुर में पिछले कई दिनों से सड़क दुर्घटनाओं में लोगों के गंभीर रूप से घायल और कुछ मामलों में मौत की अत्यंत दुखद खबरें सामने आ रही हैं। इन घटनाओं में गौर करने लायक बात है कि अधिकतर दो-पहिया वाहन चालकों ने हेलमेट नहीं पहना था, जिसके कारण दुर्घटना होने पर उन्हें सर में चोट लगी।श्री धगट ने कहा कि इसे देखते हुए एसोसिएशन की बैठक में सामाजिक हित में नो हेलमेट नो पेट्रोल अभियान चलाने का निर्णय लिया गया है। आगामी 1 सितम्बर से यह अभियान शुरू किया जाएगा। अभियान के तहत हेलमेट पहनने वाले वाहन चालकों को ही पंप पर पेट्रोल दिया जाएगा। श्री धगट ने जनहितकारी इस सामाजिक कार्य में शासन-प्रशासन से सहयोग का आग्रह किया है।

हड़ताली NHM कर्मचारियों पर सरकार सख्त नो वर्क-नो पे के बाद अब बर्खास्तगी की चेतावनी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर, (निप्र)। नियमितीकरण सहित अपनी 10 सूत्रीय मांगों को लेकर हफ्तेभर से ज्यादा समय से आंदोलनरत नेशनल हेल्थ मिशन कर्मचारियों पर सरकार ने सख्ती बढ़ा दी है। स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने कहा कि संविदाकर्मी काम नहीं करेंगे तो भुगतान भी नहीं मिलेगा। इसी आधार पर विभाग ने 'नो वर्क-नो पे' का नोटिस जारी कर दिया है।अब सरकार ने चेतावनी दी है कि अगर कर्मचारी जल्द काम पर नहीं लौटे तो बर्खास्तगी की कार्रवाई शुरू होगी। रायगढ़, कोरिया सहित कई जिलों के छ्र्स्ल्नह्र ने कर्मचारियों को पत्र जारी कर सेवा समाप्ति की चेतावनी दी है।दूसरी ओर, एनएचएम संघ ने सरकार के आदेश को दमनकारी बताया है। प्रदेश अध्यक्ष अमित मिरी ने कहा कि पूरे महीने का वेतन काटना अन्यायपूर्ण है और समाधान संवाद से ही निकल सकता है।गौरतलब है कि एनएचएम कर्मचारियों की 22त्न वेतन वृद्धि, ट्रांसफर नीति और 30 दिनों के मेडिकल अवकाश की मांग पर सरकार पहले ही सहमत हो चुकी है। लेकिन नियमितीकरण का मामला केंद्र सरकार की सहमति पर अटका हुआ है।राजधानी रायपुर समेत सभी जिला मुख्यालयों में 18 अगस्त से जारी हड़ताल से प्रदेशभर की स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। छत्तीसगढ़ में एनएचएम के तहत करीब 16 हजार कर्मचारी कार्यरत हैं।

जिले में शिशु संरक्षण माह का शुभारंभ, बच्चों को मिला विटामिन-ए और आयरन का सिरप

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे के मार्गदर्शन और नेतृत्व में आज जिला अस्पताल मनेंद्रगढ़–चिरमिरी–भरतपुर में शिशु संरक्षण माह का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका निगम चिरमिरी के महापौर माननीय रामनरेश राय ने शिशु संरक्षण अभियान का उद्घाटन करते हुए स्वयं बच्चों को विटामिन–ए और आयरन सिरप पिलाकर इस जनहितकारी कार्यक्रम की शुरुआत की। कार्यक्रम के दौरान सिविल सर्जन डॉ. राजेंद्र राय और जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. एम.डी. वसीक अस्दक ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए बताया कि इस अभियान के अंतर्गत छह माह से 59 माह तक की आयु वाले बच्चों को आयरन–फोलिक एसिड सिरप तथा नौ माह से 59 माह तक के बच्चों को विटामिन–ए सिरप पिलाया जाएगा। इसके साथ ही जिन

बच्चों का वजन कम है या जो कुपोषण की समस्या से जूझ रहे हैं उन्हें पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती कराकर पौष्टिक आहार और आवश्यक चिकित्सकीय देखभाल प्रदान की जाएगी ताकि वे स्वस्थ्य और सुरक्षित रह सकें।

शिशु संरक्षण माह 29 अगस्त से 30 सितंबर 2025 तक पूरे जिले में मनाया जाएगा और इस दौरान विटामिन–ए व आयरन सिरप का वितरण, संपूर्ण टीकाकरण की सुविधा और कुपोषित बच्चों के लिए विशेष देखभाल की व्यवस्था की जाएगी। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य जिले के सभी बच्चों को रोगमुक्त, स्वस्थ और सुरक्षित रखना है ताकि आने वाली पीढ़ी मजबूत आधार के साथ विकसित हो सके। इसी क्रम में अंधत्व निवारण कार्यक्रम अंतर्गत पांच बच्चों को दृष्टि सुधार हेतु चश्मे का वितरण भी किया गया जिससे यह संदेश स्पष्ट हुआ कि यह अभियान बच्चों के समग्र स्वास्थ्य की ओर एक सार्थक पहल है । कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम प्रबंधक रविंद्र सिंह का विशेष योगदान रहा जिन्होंने संपूर्ण अभियान के संचालन और समन्वय की जिम्मेदारी निभाई। इस अवसर पर खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनीष प्रताप सिंह, जिला अस्पताल के सभी विशेषज्ञ डॉक्टर, जिला छ्वक्र॥ह लक्ष्मी रजक, विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक राजकुमार राजवाड़े सहित बड़ी संख्या में स्वास्थ्य अमला और कर्मचारी उपस्थित रहे और कार्यक्रम को सफल बनाया।

इसी तरह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनेंद्रगढ़ में खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. विकास कुमार पोद्दार और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जनकपुर में खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. आर.के. रमन ने भी ब्लॉक स्तर पर शिशु संरक्षण माह का शुभारंभ किया और वहां पर उपस्थित बच्चों को विटामिन–ए एवं आयरन सिरप पिलाकर माता–पिता को बच्चों के पोषण और सुरक्षा के महत्व से अवगत कराया। यह सुनिश्चित किया गया कि जिले के प्रत्येक गांव, प्रत्येक स्वास्थ्य केंद्र और प्रत्येक टीकाकरण सत्र में बच्चों को इस अभियान का लाभ मिले।

9 वर्षीय पंडवानी गायिका बेबी हिना साहू को निखिल सुंदरानी ने दी नई पहचान

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति और पंडवानी गायन परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुँचाने में युवा निर्माता-निर्देशक निखिल सुंदरानी लगातार काम कर रहे हैं। उनकी खोज में इस बार मिली हैं 9 वर्षीय पंडवानी गायिका बेबी हिना साहू, जो ग्राम जरोद (भाटापारा) की निवासी हैं।बेबी हिना साहू ने अपनी कम उम्र में ही पंडवानी गायन के साथ-साथ गुरु कबीर साहेब की जन्म कथा और भक्ति गीतों की रिकॉर्डिंग की है। इन प्रस्तुतियों का निर्माण सुंदरानी स्टूडियो द्वारा किया गया है, जिसे यूट्यूब पर प्रसारित किया जाएगा।गौरतलब है कि निखिल सुंदरानी पिछले छह वर्षों से छत्तीसगढ़ के सुदूर ग्रामीण अंचलों में जाकर लोक कलाकारों और परंपराओं की खोज कर रहे हैं। वे तीज-त्यौहार, भक्तिन कर्मा माता, परम पूज्य गुरु घासीदास बाबा, बूढ़ा देव, माँ दुर्गा सहित सैकड़ों लोकगीतों और कथाओं का यूट्यूब के माध्यम से प्रसारण कर चुके हैं।इसी श्रृंखला में उन्होंने प्रदेश की सबसे कम उम्र की पंडवानी गायिका हिना साहू को मंच दिया है। उनकी प्रतिभा को देखते हुए उम्मीद है कि आने वाले समय में बेबी हिना साहू न सिर्फ प्रदेश बल्कि देश-दुनिया में छत्तीसगढ़ की लोक परंपरा का नाम रोशन करेंगी।निखिल सुंदरानी ने

मीडिया से कहा कि हिना साहू नन्हीं उम्र में ही गीत-संगीत और अभिनय की अद्भुत क्षमता रखती हैं। उनका समर्पण और कला निश्चित ही छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक धरोहर को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगी।

जनभागीदारी अध्यक्ष मनीष खटीक की मांग पर प्रवेश की तिथि बढ़ाई गई

विद्यार्थियों के लिए राहत, प्रवेश की तिथि अब 5 सितम्बर तक

मीडिया ऑडीटर, चिरमिरी, (निप्र)। प्रदेश के उच्च शिक्षा संस्थानों में सत्र 2025–26 के लिए प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। अब छात्र–छात्राएँ 5 सितम्बर 2025 तक प्रवेश ले सकेंगे। इस निर्णय से हजारों विद्यार्थियों को बड़ी राहत मिलेगी। स्वास्थ्य मंत्री एवं मनेंद्रगढ़ विधायक श्यामबिहारी जायसवाल के विशेष प्रयासों और मार्गदर्शन पर उच्च शिक्षा विभाग ने यह आदेश जारी किया है। अधिकांश कॉलेजों में 50 प्रतिशत से अधिक सीटें अब भी खाली थीं, जिसके चलते बड़ी संख्या में विद्यार्थी दाखिले से वंचित हो रहे थे। विश्वविद्यालय की रिपोर्ट में भी रिक्त सीटों की स्थिति सामने आने के बाद यह कदम उठाया गया।

दरअसल ये वे छात्र–छात्राएँ, जो समय पर प्रवेश नहीं ले पाए थे, विशेष रूप से ग्रामीण व पिछड़े क्षेत्रों के विद्यार्थी इसमें शामिल रहे। ज्ञात रहे कि जनभागीदारी अध्यक्ष मनीष खटीक ने भी छात्रों की परेशानी को लेकर मंत्री से चर्चा की थी। उन्होंने कहा कि माननीय मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल जी ने विद्यार्थियों के हित में जो निर्णय दिलाया है, वह ऐतिहासिक है। यह कदम हजारों युवाओं के भविष्य को नई दिशा देगा और प्रदेश की उच्च शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करेगा।

खेलों में भी हासिल करना है 'छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया' का दर्जा: अरुण साव

मीडिया ऑडीटर, रायपुर, (निप्र)। उप मुख्यमंत्री तथा खेलकूद एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव आज राजधानी रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में राष्ट्रीय खेल दिवस के आयोजन में शामिल हुए। 'हॉकी के जादूगर' के नाम से मशहूर मेजर ध्यानचंद की जयंती पर पूरे देश में आज राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया जा रहा है। कार्यक्रम में उनकी तस्वीर पर माल्यार्पण कर उनका पुण्य स्मरण किया गया। राष्ट्रीय खेल दिवस पर विविध आयोजनों के बीच उप मुख्यमंत्री अरुण साव के आह्वान पर खिलाड़ियों ने 'हर गली हर मैदान, खेले सारा हिंदुस्तान' के जोरदार नारे से पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम को गूंजा दिया।उप मुख्यमंत्री साव ने कार्यक्रम में रायपुर प्रीमियर लीग के आयोजन की घोषणा की। उन्होंने कहा कि सभी संभागीय मुख्यालयों में इसके आयोजन के प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने ऑडिटोरियम में मौजूद सभी लोगों को फिट रहने के लिए मैदान पर जाकर खेल खेलने और इसके लिए दूसरों को भी प्रेरित करने की शपथ दिलाई। श्री साव और अन्य अतिथियों ने राज्य में खेल आयोजनों, खेल अलंकरण, युवा महोत्सव, खेल की सुविधाओं तथा खेलकूद एवं युवा कल्याण विभाग की योजनाओं पर आधारित प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। सांसद

बृजमोहन अग्रवाल, राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हॉकी खिलाड़ी मृणाल चौबे, बैडमिंटन खिलाड़ी श्रेयांश जायसवाल, फुटबाल खिलाड़ी किरण पिस्दा और आईपीएल क्रिकेटर शशांक सिंह भी राष्ट्रीय खेल दिवस के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए।उप मुख्यमंत्री साव ने कार्यक्रम में खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल के मैदान में पूरे मनोयोग से उतरें, पूरे जोश और जज्बे के साथ खेलें। मैदान पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को मान-सम्मान, करियर, नौकरी, धन सभी प्राप्त होता है। उन्होंने खिलाड़ियों को खेल की नई तकनीकों और उपकरणों से अपडेट रहने तथा अपनी फिटनेस व खेल सुधारने के लिए इनका उपयोग करने को कहा। उन्होंने खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि खेल के क्षेत्र में भी पूरा देश 'छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया' कहे, इसके लिए मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दें।उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि खिलाड़ियों को जज्बे और जुनून से परिपूर्ण होना चाहिए। राज्य सरकार और केंद्र सरकार 'खेलो इंडिया' और 'फिट इंडिया' के माध्यम से खेल और खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में स्कूलों और छात्रावासों से समन्वय बनाकर खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारकर उन्हें निचले स्तर से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाने की योजना है। साव ने कहा कि फिट रहने के लिए हर व्यक्ति को रोज कम से कम एक घंटा कोई न कोई खेल खेलना चाहिए। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि स्वस्थ रहने के लिए खेलना जरूरी है। उन्होंने स्कूलों और कॉलेजों के बच्चों को मैदान में खेलने के लिए उतरने को कहा। खेलना, इनाम और पदक जीतने से ज्यादा महत्वपूर्ण है।

वोट अधिकार यात्रा की तर्ज पर 'पथ' अधिकार यात्रा

खंडवा–मूंदी रोड़ पर 14 सितंबर को करणी सेना का आंदोलन ,जीवनसिंह शेरपुर आएंगे

खंडवा, एजेंसी। खंडवा-मूंदी रोड की खस्ताहाल को लेकर आमजन का गुस्सा अब आंदोलन में बदलने जा रहा है। डेढ़ साल से बजट स्वीकृत होने के बावजूद सड़क निर्माण शुरू नहीं हुआ है। सड़क की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि लोगों का सफर करना जोखिम भरा हो गया है। अब करणी सेना ने इस मुद्दे को लेकर 14 सितंबर को बड़े आंदोलन का ऐलान किया है।

मुख्यमंत्री कर चुके हैं चार बार घोषणाः खंडवा-मूंदी रोड जिले की लगभग आधी आबादी को जोड़ने वाला प्रमुख मार्ग है, जिसकी हालत पिछले काफी समय से बेहद खराब है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इस सड़क के निर्माण की घोषणा चार बार अलग-अलग कार्यक्रमों में कर चुके हैं। साथ ही स्थानीय जनप्रतिनिधि भी लगातार इस विषय को उठा रहे हैं। बावजूद इसके अभी तक काम शुरू नहीं हुआ है।

डेढ़ साल पहले स्वीकृत हो चुका है बजटः इस सड़क के निर्माण के लिए विश्व बैंक परियोजना के तहत 153 करोड़ रुपए का बजट डेढ़ साल पहले स्वीकृत हो चुका है। इसके बाद भी कार्य में देरी हो रही है, जिससे लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।

करणी सेना निकालेगी पथ अधिकार यात्राः अब सड़क निर्माण को लेकर करणी सेना ने मोर्चा खोल दिया है। संगठन ने 14 सितंबर को बड़े जनआंदोलन की घोषणा की है। कांग्रेस की वोट अधिकार यात्रा की तर्ज पर करणी सेना ने पथ अधिकार यात्रा का बैनर लॉन्च किया है। इस आंदोलन में कई सामाजिक और राजनीतिक संगठन भी साथ आएंगे। संगठन के पदाधिकारी गांव-गांव जाकर लोगों से संपर्क कर उन्हें आंदोलन में शामिल होने का न्योता दे रहे हैं।

राष्ट्रीय अध्यक्ष जीवनसिंह शेरपुर होंगे शामिलः करणी सेना परिवार के राष्ट्रीय अध्यक्ष जीवनसिंह शेरपुर भी इस आंदोलन में शामिल होंगे। करणी सेना जिलाध्यक्ष पंकजराज सिंह पुरनी, प्रमोद पटेल, शिवा पंवार, सुरेंद्र सिंह पंवार, मोहनसिंह सावनेर, नितिराज सिंह और विजयसिंह मौर्य ने रतलाम के शेरपुर जाकर जीवनसिंह को आंदोलन में आमंत्रित किया है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष जीवनसिंह शेरपुर ने कहा– जहां जनहित की बात होगी, वहां हम पीछे नहीं हटेंगे। जनता की आवाज को बुलंद करने के लिए हमें सड़क पर उतरना होगा। यह सरकार गूंगी-बहरी बन गई है। अब समय आ गया है कि सर्व समाज मिलकर इसे नींद से जगाए।

सीहोर हायर सेकेंडरी स्कूल में छात्राओं ने किया प्रदर्शन

सीहोर नगर, एजेंसी/ सीहोर के बृजेश नगर में हायर सेकेंडरी स्कूल के निर्माणाधीन भवन को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। छात्राओं ने घटिया निर्माण सामग्री के उपयोग का आरोप लगाते हुए स्कूल के बाहर प्रदर्शन किया और नारेबाजी की। पीआईयू विभाग के कार्यपालन यंत्री कपिल देव त्यागी ने मामले की जांच शुरू की। उन्होंने सब इंजीनियर और ठेकेदार से स्पष्टीकरण मांगा। स्कूल में 1 करोड़ 37 लाख रुपए की लागत से अतिरिक्त भवन का निर्माण लोक निर्माण विभाग द्वारा कराया जा रहा है।जांच में सामने आया कि यह एक गलतफहमी का मामला था। तीन दिन पहले डाली गई छत की सेंटिंग नहीं हटाई जा रही थी, बल्कि उसके साइड में लगे बीम का सामान हटाया जा रहा था।

सड़क पर घेरा, घसीटकर घर के अंदर ले गए: सागर में रंजिश के चलते पिता-पुत्र की कुल्हाड़ी से हत्या

सागर नगर, एजेंसी। सागर जिले के बंडा थाना क्षेत्र के ग्राम बिजरी में शुक्रवार रात पुरानी रंजिश के चलते दो परिवारों के बीच विवाद खूनी संघर्ष हो गया। इस दौरान एक पक्ष के पिता-पुत्र की हत्या कर दी गई। आरोपी पिता-पुत्र को घसीटते हुए अपने घर में ले गए और धारदार हथियारों से मारपीट की।वारदात की खबर फैलते ही गांव में सनसनी फैल गई। जानकारी के मुताबिक, लोधी समाज के दो परिवारों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। शुक्रवार रात यह विवाद इतना बढ़ा कि मारपीट में भागीरथ लोधी और उनका बेटा रामकुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। इलाज से पहले ही दोनों की मौत हो गई।

गांव में पुलिस बल तैनातः घटना की सूचना मिलते ही बंडा एसडीओपी प्रदीप वाल्मिकी, थाना प्रभारी और भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचे। सुरक्षा की दृष्टि से गांव में पुलिस बल तैनात कर दिया गया। शवों का पंचनामा बनाकर पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेजा गया। मामले में पुलिस ने आरोपी पक्ष के 19 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

खेत जाते समय बाइक रोक किया हमलाः फरियादी रामरक्षपाल सिंह लोधी निवासी बिजरी ने पुलिस को बताया कि पिता भागीरथ लोधी (60) छोटे भाई रामकुमार लोधी (30) के साथ बाइक से खेत की ओर गए थे। जहां से वह वापस घर लौट रहे थे। तभी रास्ते में चंदन लोधी के घर के सामने मेरे गांव के चंदन लोधी, कुंजन लोधी के परिवार वालों ने उनकी बाइक रोक ली। उनके हाथों में धारदार हथियार और डंडे थे। पुरानी रंजिश को लेकर उन्होंने पिता और भाई से गालीगलौज शुरू कर दी। देखते ही देखते कुल्हाड़ी, कतरना, डंडों से मारपीट करने लगे। आरोपियों ने दोनों को बाइक से नीचे उतारा और घसीटते हुए चंदन लोधी के घर की दहलान में ले गए। जहां पर धारदार हथियार से मारपीट की। विवाद होते देख मां गीता बाई बीचबचाव करने पहुंची तो उनके साथ भी मारपीट की गई। परिवार के अन्य लोग पहुंचे तो आरोपी मौके से भाग गए। घटनाक्रम में पिता भागीरथ और भाई रामकुमार की मौत हो गई। वहीं मां गीता लोधी घायल हुई हैं। घायल गीता लोधी को बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

जून महीने में बेटे की हुई थी मौत, तभी से विवाद चल रहाः परिवार के अरविंद सिंह लोधी ने बताया कि जून के महीने में मेरे बेटे सोनू का शव जंगल में पेड़ से फंदे पर लटका मिला था। उसकी हत्या की गई थी। लेकिन पुलिस और प्रशासन ने कोई कार्रवाई नहीं की। तभी से आरोपी पक्ष के लोगों से विवाद चल रहा था। इसी विवाद को लेकर उन्होंने मेरे चाचा भागीरथ और भाई रामकुमार की कुल्हाड़ी, कतरना से मारकर हत्या कर दी। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि आरोपी पक्ष को बंडा विधायक संरक्षण दे रहे हैं। इसलिए उन पर सख्त कार्रवाई नहीं हो रही। पीड़ित परिवार ने दोषियों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की।

मामले में 19 लोगों पर हत्या का मामला दर्ज

हत्या के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कुंजन लोधी, राम लोधी, मोती, लखन, मोहित, ब्रजेश, चंदन, गोविंद, पुष्पेंद्र, प्रभान, सतीश, गौरव, सुजान, सौरभ, पप्पू, गजेंद्र, जितेंद्र, बृजकिशोर और लक्ष्मण पिता हरगोविंद सिंह लोधी सभी निवासी बिजरी के खिलाफ हत्या समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर जांच में लिया है।

मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रहे

एएसपी डॉ. संजीव उईके ने बताया कि बिजरी गांव में हुई हत्या के मामले में फरियादी की शिकायत पर 19 लोगों पर मामला दर्ज कर जांच में लिया है। कुछ आरोपियों को हिरासत में लिया है, जिनसे पूछताछ की जा रही है। मामले में फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है।

सड़क से खींचकर घर ले गए और मार डाला

भागीरथ की बेटी कृष्णा लोधी ने बताया कि भाई रामकुमार बाजार से सब्जी लेकर आया था। पिता भी वहीं थे। अचानक आरोपियों ने उन्हें रोका और खींचकर घर में ले गए। जहां धारदार हथियारों से मारपीट कर हत्या कर दी। मां को भी मारा। करीब तीन महीने पहले मेरे भतीजे की मौत हुई थी।

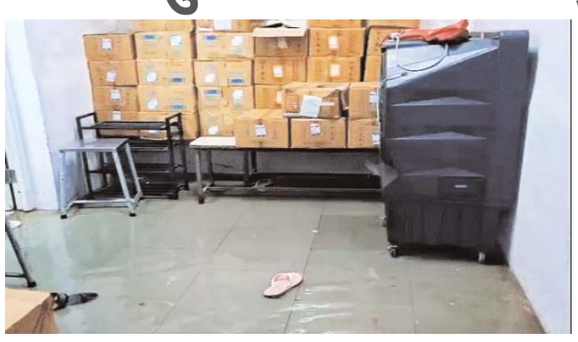

खरगोन में तीन घंटे में 6.1 इंच बारिश: जिला अस्पताल के आईसीयू में घुसा नाले का पानी, मांगरूल रोड पर नाले में बहा युवक

प्रशासन ने बैरिकेड्स लगाकर बंद कर दिया है

खरगोन, एजेंसी। मध्यप्रदेश के कई जिलों में पिछले 24 घंटे के दौरान तेज बारिश हुई है। खरगोन जिले में शुक्रवार रात महज 3 घंटे में 6.1 इंच बारिश हुई। अचानक हुई इस मूसलाधार बारिश से शहर की कई सड़कों पर जलभराव हो गया। वहीं, जिला अस्पताल तक में नाले का पानी घुस गया, जिससे मरीजों और परिजनों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।पहाड़ी क्षेत्रों में हुई तेज बारिश के चलते कुंदा नदी में बाढ़ की स्थिति बन गई है। मंडी रोड स्थित रपटे पर पानी बहने लगा, जिसे प्रशासन ने बैरिकेड्स लगाकर बंद कर दिया है। वहीं, मांगरूल रोड की एक पुलिया पर से निकलते समय 50 वर्षीय बाइक सवार पानी के तेज बहाव में बह गया।

अस्पताल के ICU तक पहुंचा पानी

शुक्रवार रात हुई भारी बारिश के चलते जिला अस्पताल का मुख्य परिसर पानी से भर गया। पानी ढ्ढष्ट वार्ड तक पहुंच गया और मरीजों के बेड के चारों ओर फैल गया। इससे अफरा-तफरी मच गई। परिजन मरीजों को सुरक्षित स्थान पर ले जाने की कोशिश करते नजर आए। कुछ मरीजों को अन्य वार्डों में शिफ्ट भी किया गया।

आरएमओ मौके पर पहुंचे, व्यवस्थाएं संभाली

हालात बिगड़ते देख अस्पताल के आरएमओ डॉ. कुंदन सिसौदिया मौके पर पहुंचे और स्टाफ के साथ मिलकर हालात को नियंत्रित किया। उन्होंने बताया कि किसी मरीज को तत्काल कोई गंभीर नुकसान नहीं हुआ है, लेकिन जलभराव के कारण स्थिति चिंताजनक थी।

नाले की सफाई न होने से बिगड़ी स्थिति

अस्पताल क्षेत्र में चल रहे निर्माण कार्य के कारण पास का नाला बंद होने की बात सामने आई है। इस वजह से बारिश का पानी सीधे अस्पताल परिसर में भर गया। अब नगर पालिका से इस समस्या के स्थायी समाधान की मांग उठने लगी है।

सर्राफा बाजार की सड़क लबालब, यातायात बाधित

तेज बारिश का असर सर्राफा बाजार क्षेत्र में भी देखने को मिला, जहां मुख्य सड़क पर पानी भर गया। इससे राहगीरों और दोपहिया वाहन चालकों को आवाजाही में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

मांगरूल रोड पर तेज बहाव डूबा बाइक सवार

खरगोन और आसपास के पहाड़ी क्षेत्रों में हुई तेज बारिश के चलते कुंदा नदी में बाढ़ की स्थिति बन गई है। मंडी रोड स्थित रपटे पर पानी बहने लगा, जिसे प्रशासन ने बैरिकेड्स लगाकर बंद कर दिया है। वहीं, मांगरूल रोड की एक पुलिया पर से निकलते समय 50 वर्षीय बाइक सवार हरिराम भालसे पानी के तेज बहाव में बह गया।उसकी बाइक और टिफिन पास में ही मिले हैं। हरिराम खरगोन की एक फुटवियर दुकान में काम करता था और घर लौटते समय हादसे का शिकार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही मेनगांव पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से कुंदा नदी व नाले के करीब 2 किलोमीटर क्षेत्र में उसकी तलाश शुरू कर दी गई है।

मंदसौर पुलिस ने कार से पकड़ा डोडाचूरा

1 क्विंटल 17 किलो मादक पदार्थ जब्त, तीन आरोपी गिरफ्तार

मंदसौर नगर एजेंसी

मंदसौर जिले के नारायणगढ़ थाना क्षेत्र की बुढ़ा चौकी पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ शिकंजा कसते हुए शुक्रवार को कार सवार 3 व्यक्तियों के कब्जे से 1 क्विंटल 17 किलो डोडाचूरा बरामद किया है।पुलिस ने मुखबिर की निशानदेही पर गुराड़िया फंटे पर एक मारुति वैन कार क्रमांक ख्क09क्3784 को रोककर तलाशी ली तो उसमें 6 कट्टों में भरा 1 क्विंटल 17 किलो डोडाचूरा जब्त किया। पुलिस ने मौके से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया जिसमें आदर्श पाटीदार (24), राजेंद्र उर्फ राजू सूर्यवंशी (40) और मांगीलाल मेघवाल (60) शामिल हैं जो बुढ़ा थाना क्षेत्र नारायणगढ़ के निवासी हैं।

नर्मदापुरम में बाघ के शिकार और सागौन कटाई से हड़कंप

लापरवाही पर पीसीसीएफ वीएन अंबाड़े सख्त

नर्मदापुरम नगर एजेंसी। नर्मदापुरम जिले में बाघ के शिकार और सागौन के पेड़ों की अवैध कटाई की घटनाओं से वन विभाग में हड़कंप है। भोपाल तक इन मामलों की गूंज पहुंचने के बाद प्रदेश के प्रधान मुख्य वन संरक्षक (पीसीसीएफ) और वन बल प्रमुख वीएन अंबाड़े शनिवार को नर्मदापुरम का दौरा पर है। वे सतपुड़ा टाइगर रिजर्व (एसटीआर) में हुए बाघ शिकार और छीपीखापा बीट में सागौन कटाई की समीक्षा करने आएं है। फॉरेस्ट रेस्ट हाउस में 11 बजे से समीक्षा जारी है। जिसमें सीसीएफ अशोक कुमार चौहान, फील्ड डायरेक्टर राखी नंदा, हरदा, नर्मदापुरम के डीएफओ और डिप्टी डायरेक्टर बैठक में मौजूद है।

जंगल का दौरा भी करेंगे वन बल प्रमुख

वन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक पीसीसीएफ अंबाड़े अपने एक दिवसीय दौरे में न केवल संबंधित अधिकारियों से रिपोर्ट लेंगे, बल्कि टाइगर रिजर्व का भ्रमण भी करेंगे। इस दौरे से टेरिटोरियल और एसटीआर अमले में हलचल मच गई है। अधिकारियों को पहले से निर्देश जारी कर सतर्क रहने के लिए कहा गया है। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश में पिछले एक माह में 7 बाघ और तेंदुओं की मौतें हो चुकी हैं। इन घटनाओं पर पीसीसीएफ अंबाड़े पहले ही सभी वाइल्डलाइफ अधिकारियों को पत्र लिखकर नाराजगी जता चुके हैं। लगातार पेट्रोलिंग के बावजूद ऐसी घटनाएं होना वन्यजीव सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाता है।

26 लाख का पैकेज छोड़कर महंत बने सत्यानंद

उज्जैन नगर एजेंसी। उज्जैन के बड़ा उदासीन अखाड़े के युवा महंत सत्यानंद कम उम्र में ही संत बन गए। उन्हें विदेश की मल्टीनेशनल कंपनी से सालाना 26 लाख रुपए का नौकरी ऑफर मिला, लेकिन उन्होंने अध्यात्म और समाज सेवा की राह चुनी। बिहार के सुपौल के 27 वर्षीय महंत सत्यानंद ने पहले काशी, गया और हरिद्वार में महंत पद संभाला। अब वे उज्जैन के बड़ा उदासीन अखाड़े में रहकर लोगों को अध्यात्म का पाठ पढ़ा रहे हैं।

राजनीति से स्नातक और फिर योग में एमए कियाः महंत सत्यानंद का जन्म बिहार के सुपौल शहर में हुआ। शुरू से ही वे पढ़ाई में तेज और योग-अध्यात्म में रुचि रखने वाले थे। आठवीं तक की पढ़ाई उन्होंने सुपौल के नामचीन आरएसएम पब्लिक स्कूल से की। इसके बाद उन्होंने हरिद्वार से आगे की पढ़ाई जारी रखी। वर्ष 2017 में उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार से उन्होंने राजनीति शास्त्र में स्नातक किया और फिर योग में एमए किया।

विदेशी में नौकरी के प्रस्ताव को ठुकरायाः पढ़ाई के दौरान महंत सत्यानंद को ऑस्ट्रेलिया की एक यूनिवर्सिटी से तीन साल के लिए योग प्रशिक्षक के रूप में सवा दो लाख रुपए प्रति माह का नौकरी ऑफर मिला। इसके अलावा वियतनाम से भी ऑफर आया। लेकिन उन्होंने सभी प्रस्तावों को ठुकरा कर अपने जीवन को अध्यात्म और समाज सेवा के लिए समर्पित किया। इसी दौरान शुभम नाम से महंत सत्यानंद बने।

इकलौती संतान और माता-पिता का समर्थनः महंत सत्यानंद माता-पिता की इकलौती संतान हैं। उन्होंने बताया कि माता-पिता ने कभी भी उनके संन्यास लेने पर रोक नहीं लगाई। पिता के निधन के बाद भी उनकी माता ने कभी नहीं कहा कि महंत की गद्दी छोड़कर वापस लौट आओ। महंत सत्यानंद का कहना है कि संत बनने के लिए व्यक्ति को स्वयं से पहले समाज के बारे में सोचना चाहिए। अगर उन्होंने उस समय नौकरी कर ली होती तो वे पारिवारिक जीवन में उलझकर रह जाते।

योग, संस्कत और अध्यात्म का पाठ पढ़ा रहे

महंत सत्यानंद ने 2019 में दीक्षा ली और तब से ही उन्होंने अपने जीवन को साधना और समाज सेवा के लिए समर्पित किया। सबसे पहले वे 2020 में गया में महंत रहे। कुछ समय बाद हरिद्वार में कुंभ मेला प्रबंधन में बुलाया गया और वहां भी महंत पद निभाया। फिर वाराणसी में महंत बने और अब वे उज्जैन के बड़ा उदासीन अखाड़े के महंत हैं। वर्तमान में वे उज्जैन में रहकर युवाओं और साधकों को योग, संस्कृत और अध्यात्म का पाठ पढ़ा रहे हैं।

अफीम तस्करी से कमाई संपत्ति को पुलिस ने कराया अटैच : रतलाम में पिता-बेटे की लाखों की संपत्ति फ्रीज सफेमा कोर्ट ने जारी किया आदेश

रतलाम, एजेंसी। रतलाम पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए अफीम से कमाई गई संपत्तियों को फ्रीज करवा दिया है। यह कार्रवाई आलोट के रहने वाले एक पिता और बेटे के खिलाफ की गई है। सफेमा कोर्ट के आदेश पर दोनों की करीब 9 लाख रुपए की संपत्तियां फ्रीज की गई हैं।

सफेमा कोर्ट ने जारी किया आदेशः यह कार्रवाई अपराध क्रमांक 164/2024 के तहत की गई है, जिसमें आरोपी मोहनलाल पिता नंदराम पाटीदार और उसका बेटा रंगलाल शामिल हैं। इनके खिलाफ हृष्क्क एक्ट 1985 की धारा 68-एफ(1) के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए कोर्ट ने संपत्तियां फ्रीज करने के आदेश दिए। बरखेड़ा कला थाना प्रभारी रविंद्र दंडोतिया ने बताया कि मोहनलाल और रंगलाल को 10 दिसंबर 2024 को अफीम की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। उनके खिलाफ हृष्क्क एक्ट की धारा 8, 18 और 29 के तहत मामला दर्ज किया गया। जांच में सामने आया कि दोनों ने अफीम की तस्करी से जो पैसे कमाए, उससे जमीन खरीदी। उनकी आय का कोई वैध जरिया नहीं मिला।

ये संपत्तियां हुई फ्रीजः मोहनलाल पाटीदार की जमीन ड्ड सर्वे नंबर 1748, क्षेत्रफल 0.28 हेक्टेयर, ग्राम कराडिया, थाना बरखेड़ा कला, कीमत करीब 3 लाख रुपए।रंगलाल पाटीदार की जमीन – सर्वे नंबर 1748/1, क्षेत्रफल 0.56 हेक्टेयर, ग्राम कराडिया, थाना बरखेड़ा, कीमत करीब 6 लाख रुपए।

एसपी बोले– अपराध से कमाई संपत्ति जब्त होगीः एसपी अमित कुमार ने बताया कि यह कार्रवाई NDPS एक्ट के अध्याय V-A के तहत की गई है। इसका मकसद है कि नशीले पदार्थों के अवैध व्यापार से कमाई गई संपत्ति को दोबारा अपराधों में इस्तेमाल न किया जा सके। रतलाम पुलिस आगे भी ऐसे मामलों में सख्त और लगातार कार्रवाई करती रहेगी।

बेंगलुरु पहुंचे शुभमन गिल, एशिया कप 2025 से पहले होगा फिटनेस टेस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान और टी-20 उपकप्तान शुभमन गिल आगामी एशिया कप के लिए दुबई जाने से पहले फिटनेस आकलन और तैयारियों के लिए बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पहुंचे। भारतीय टीम के सदस्य 9 सितंबर को मेज़बान संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ टूर्नामेंट के अपने पहले मैच से पहले 4 सितंबर को दुबई में एकत्रित होंगे।

फ्लू के कारण गिल को पूर्वी क्षेत्र के खिलाफ चल रहे दलीप ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में नहीं खेले थे, जहां उन्हें उत्तरी क्षेत्र का कप्तान बनाया गया था।

बेंगलुरु रवाना होने से पहले गिल चंडीगढ़ स्थित अपने घर पर बीमारी से उबर रहे थे। यह संभव है कि गिल बेंगलुरु से दुबई के लिए उड़ान भरें क्योंकि इस बार खिलाड़ी अपने-अपने स्थानों से दुबई अलग-अलग चरणों में पहुंचेंगे, जबकि पहले टीमें मुंबई में इकट्ठा होकर एक साथ यात्रा करती थीं।

गिल के अलावा, विकेटकीपर-बल्लेबाज जितेश शर्मा भी टूर्नामेंट से पहले की तैयारियों के लिए बेंगलुरु पहुंच चुके हैं। शार्दुल ठाकुर दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में वेस्ट जोन की कप्तानी करने के लिए तैयार हैं, जबकि जायसवाल और वाशिंगटन, जो एशिया कप के लिए स्टैंडबाय सूची में हैं, घरेलू सीज़न के पहले मैच के आखिरी चार मैचों में भी खेलेंगे।

मुकेश की चोट का खतरा

ईस्ट जोन को झटका लगा है क्योंकि तेज गेंदबाज मुकेश कुमार दूसरी पारी में गेंदबाजी नहीं कर पाए। बंगाल के इस तेज गेंदबाज ने पहली पारी में अपनी जांघ/कमर की चोट के कारण नौ ओवर बाहर बैठकर गेंदबाजी शुरू की। मुकेश पूर्वी क्षेत्र की पहली पारी में भी बल्लेबाजी करने आए थे। हालांकि, वह दलीप ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल के तीसरे दिन दूसरी पारी में गेंदबाजी के लिए उपलब्ध नहीं थे।

एशिया कप जाने वाले कुछ अन्य खिलाड़ी जैसे अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा (नॉर्थ जोन) और कुलदीप यादव (सेंटर जोन) पहले ही दलीप ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल खेल रहे हैं। इस बीच, साउथ जोन को दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल (4-7 सितंबर) के लिए नए कप्तान की घोषणा करनी होगी क्योंकि तिलक वर्मा को एशिया कप टीम में शामिल किया गया है। केरल के मोहम्मद अजहरुद्दीन उप-कप्तान हैं और उन्हें नेतृत्व की भूमिका में पदोन्नत किया जा सकता है, या टीम आर. साई किशोर, देवदत्त पडिक्कल या एन. जगदीशन जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को चुन सकती है।

अंडमान में ध्यानचंद को दी गई श्रद्धांजलि, समुद्र के नीचे हॉकी स्टिक का प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी । राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर स्वराज द्वीप (हैवलॉक द्वीप) में भारतीय हॉकी के दिग्गज मेजर ध्यानचंद को समुद्र के नीचे शानदार श्रद्धांजलि दी गई।

इस दिन के महत्व पर बोलते हुए, भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI), कोलकाता के क्षेत्रीय निदेशक अमर ज्योति ने शुक्रवार को कहा, शिक्षा एवं खेल विभाग, अंडमान एवं निकोबार प्रशासन और स्थानीय टूर एवं डाइविंग ऑपरेटरों के सहयोग से, 12 पेशेवर गोताखोरों और स्ढ्ढ के तीन अधिकारियों की एक टीम ने मेजर ध्यानचंद की स्मृति को नमन करते हुए समुद्र के नीचे तख्तियां, बैनर, हॉकी स्टिक और गेंद लेकर प्रदर्शन किया।

उन्होंने कहा, पानी के नीचे की यह श्रद्धांजलि अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की अनूठी समुद्री विरासत को दर्शाती है और एक सशक्त राष्ट्रीय संदेश देती है कि फिटनेस की लौ हर जगह प्रज्वलित है - ज़मीन पर, समुद्र के पार और यहाँ तक कि समुद्र के नीचे भी। यह ऐतिहासिक पानी के नीचे की श्रद्धांजलि फिट इंडिया अंडमान निकोबार खेल महोत्सव 2025 का मुख्य आकर्षण थी, जो 15 से 31 अगस्त तक पूरे द्वीपसमूह के समुदायों को शामिल करते हुए खेल और फिटनेस का दो सप्ताह तक चलने वाला उत्सव है। खेल महोत्सव 2025 स्वतंत्रता दिवस पर उत्कृष्टता, मित्रता और सम्मान का प्रतीक तीन ओलंपिक शैली की फिटनेस मशालों के प्रक्षेपण के साथ शुरू हुआ। सेलुलर जेल के मुकुट, डुगोंग (समुद्री गाय, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह का राज्य पशु), नार्कोंडम हॉर्नबिल, मैंग्रोव जड़ों और ओलंपिक रिंगों के रूपांकनों के साथ विशेष रूप से डिज़ाइन की गई ये मशालें तीनों जिलों - निकोबार, दक्षिण अंडमान और उत्तर एवं मध्य अंडमान - से होकर गुज़रीं और 505 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय करते हुए 225 स्कूलों तक पहुँचीं।

ज्योति ने कहा, राष्ट्रीय खेल दिवस न केवल मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि है, बल्कि यह याद दिलाता है कि खेल हमारे देश के हर जीवन और हर कोने को छूना चाहिए। फिटनेस मशाल रिले और असाधारण पानी के नीचे श्रद्धांजलि के माध्यम से, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह ने दिखाया है कि राष्ट्रीय खेल दिवस की भावना को सबसे अनोखे और प्रेरक तरीकों से मनाया जा सकता है।

छात्रों, शिक्षकों, एथलीटों, पंचायती राज संस्थाओं के सदस्यों, आदिवासी नेताओं और आम जनता सहित 25,958 से अधिक प्रतिभागियों ने रिले में भाग लिया।

मशाल रिले के साथ-साथ, महोत्सव में एथलेटिक्स, फुटबॉल, वॉलीबॉल और स्वदेशी खेलों में अंतर-विद्यालय प्रतियोगिताएँ, समुद्र तट पर खेल और कयाकिंग प्रदर्शन, रस्सी कूदने की चुनौतियाँ, सामूहिक फिटनेस अभ्यास, सांस्कृतिक प्रदर्शन और स्वास्थ्य एवं नशा-विरोधी जागरूकता अभियान भी आयोजित किए गए। विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (सीडब्ल्यूएसएन) और विकलांग व्यक्तियों (पीडब्ल्यूडी) को शामिल करने पर विशेष जोर दिया गया, ताकि उन्हें खेल और फिटनेस को अपनाने के लिए सशक्त बनाया जा सके।

खालिद जमील के कोचिंग में भारत की विजयी शुरुआत

हिसोर (ताजिकिस्तान), एजेंसी। भारत की पुरुष फुटबॉल टीम ने अपने नए मुख्य कोच खालिद जमील के कार्यकाल की शानदार शुरुआत करते हुए 2025 सीएएफए नेशंस कप में मेज़बान ताजिकिस्तान को 2-1 से हराया।

भारत की ओर से अनवर अली और संदेश झिंगन ने गोल दागे, जबकि ताजिकिस्तान के लिए शाहरोम सामीव ने एकमात्र गोल किया। यह भारत की विदेशी ज़मीन पर लगभग दो साल बाद पहली जीत है। पिछली बार भारत ने नवंबर 2023 में विश्व कप क्वालीफायर में कुवैत को हराया था।

मैच की शुरुआत में ही भारत को बढ़त मिली। पाँचवें मिनट में अनवर अली का हेडर गोललाइन पार कर गया। हालांकि मेज़बान खिलाड़ियों ने उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन गेंद पूरी तरह से रेखा पार कर चुकी थी।

अनुभवी स्ट्राइकर सुनील छेत्री को टीम से बाहर रखने और मोहन बागान सुपर जाइंट के खिलाड़ियों के उपलब्ध न होने के बावजूद, जमील की रणनीति कारगर साबित हुई। भारत के डिफेंडरों की आक्रामक भागीदारी ने दूसरा गोल दिलाया। अनवर के क्रॉस पर राहुल बेके का हेडर गोलकीपर ने रोका, लेकिन झिंगन ने रीबाउंड पर गेंद को जाल में डाल दिया।

दस मिनट बाद सामीव ने गोल कर मेज़बान की उम्मीदें जगाई। दूसरे हाफ में ताजिकिस्तान को बराबरी का मौका मिला, जब रुसतम सोइरोव को बॉक्स में गिरा दिया गया। हालांकि भारत के गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू, जो नवंबर के बाद पहली बार शुरुआती एकादश में लौटे थे, ने शानदार बचाव

हरियाणा से अनापत्ति प्रमाण पत्र एनओसी मिलने के बाद भारतीय ऑफ स्पिनर जयंत यादव ने पुडुचेरी के साथ करार किया

नई दिल्ली, एजेंसी । भारतीय ऑफ स्पिनर जयंत यादव ने हरियाणा से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) मिलने के बाद आगामी घरेलू सत्र के लिए पुडुचेरी का रुख किया है। हरियाणा, वह टीम है जिसके लिए उन्होंने 2011-12 में पदार्पण के बाद से खेला है।

ESPNcricinfo के अनुसार, जयंत का यह कदम तीनों प्रारूपों में खेलने की उनकी इच्छा से प्रेरित है। 2023-24 सीज़न में हरियाणा के विजय हजारे ट्रॉफी चैंपियन बनने के बाद से वह सीमित ओवरों के प्रारूपों में पहली पसंद नहीं थे। टीम प्रबंधन ने 35 वर्षीय खिलाड़ी की जगह स्पिन ऑलराउंडर निशांत सिंधु और राहुल तेवतिया को चुनकर अपनी प्राथमिकता स्पष्ट कर दी है।

जयंत ने 2024-25 रणजी ट्रॉफी सीज़न का समापन आठ मैचों में 28 विकेट के साथ किया। मुंबई के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मुकाबला हरियाणा के लिए उनका आखिरी मैच था, जिसमें उन्होंने तीन विकेट लिए और दो पारियों में 40 रन बनाए, जबकि टीम को 152 रनों से हार का सामना करना पड़ा।

35 वर्षीय जयंत के पास अपार अनुभव है और उन्होंने 90 प्रथम श्रेणी मैचों में 265 विकेट लिए हैं। उन्होंने बल्ले से भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है, उन्होंने 2,924 प्रथम श्रेणी रन बनाए हैं, जिसमें तीन शतक और 14 अर्धशतक शामिल हैं, जिसमें 2012-13 में कर्नाटक के खिलाफ उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ 211 रन की पारी भी शामिल है।

अपने 211 रनों के शानदार प्रदर्शन के दौरान, उन्होंने आठवें विकेट के लिए अमित मिश्रा के साथ 392 रन जोड़े। पुडुचेरी में जयंत मध्य प्रदेश के ऑलराउंडर पुनीत दाते और मुंबई के विकेटकीपर सिद्धांत अधातराव के साथ तीन पेशेवर खिलाड़ियों में से एक होंगे।

भारत के साथ अपने अंतरराष्ट्रीय कार्यकाल के दौरान, जयंत ने छह टेस्ट मैच खेले हैं, जिनमें से उनका सबसे हालिया प्रदर्शन 2022 में मोहाली में श्रीलंका के खिलाफ था। उन्होंने 29.06 की औसत से 16 विकेट लिए हैं और 31.00 की औसत से 248 रन बनाए हैं।

उन्होंने दो एकदिवसीय मैच भी खेले हैं, जिनमें उन्हें एक विकेट मिला है। उन्होंने 2016 में न्यूजीलैंड के खिलाफ पदार्पण किया था और कोरी एंडरसन को स्टंप के सामने पगबाधा आउट किया था। जयंत जनवरी 2022 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इस प्रारूप में लौटे, लेकिन अपने 10 ओवर के स्पेल में उन्हें कोई विकेट नहीं मिला।

इंडियन प्रीमियर लीग में, उन्होंने आखिरी बार 2023 में गुजरात टाइटन्स के लिए खेला था, और इससे पहले वह दिल्ली डेयरडेविल्स और मुंबई इंडियंस के लिए खेल चुके हैं।

वैंकूवर में चमकेंगे वैश्विक क्रिकेट सितारे

कनाडा सुपर 60 ने खिलाड़ियों की पहली खेप का अनावरण किया

वैंकूवर कनाडा,एजेंसी। वैंकूवर एक अभूतपूर्व खेल तमाशे के लिए तैयार है। देश की पहली पेशेवर टी10 क्रिकेट लीग, कनाडा सुपर 60 ने आधिकारिक ड्राफ्ट से पहले अंतरराष्ट्रीय सितारों की अपनी पहली खेप की घोषणा की है, और कनाडा सुपर 60 की एक विज्ञप्ति के अनुसार, यह लाइनअप किसी धमाकेदार प्रदर्शन से कम नहीं है। पहली बार, पीयूष चावला, क्विंटन डी कॉक, शाकिब अल हसन, मोइन अली, जेसन रॉय, डेविड मालन, डेविड विसे, रवि बोपारा, क्रिस लिन, एलेक्स हेल्स, इमरान ताहिर, इसुरु उदाना, रहमानुल्लाह गुरबाज़ और कई अन्य क्रिकेट दिग्गज दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित इनडोर खेल स्थलों में से एक, बीसी प्लेस में उतरेंगे।

छह गतिशील फ्रैंचाइज़ियों - ब्रैम्पटन ब्लिट्ज़, मिसिसॉगा मास्टर्स, मॉन्ट्रियल टाइगर्स, वैंकूवर किंग्स, टोरंटो सिक्सर्स और व्हाइटरॉक वॉरियर्स - में अंतरराष्ट्रीय दिग्गजों के साथ कनाडा की सर्वश्रेष्ठ घरेलू प्रतिभाएँ भी शामिल होंगी, जिससे क्रिकेट का एक ऐसा उत्सव तैयार होगा जिसमें विश्व स्तरीय मनोरंजन और वैंकूवर के बेजोड़ वेस्ट कोस्ट माहौल का अनूठा संगम होगा। इस उद्घाटन संस्करण में

बल्लेबाजी की धार और गेंदबाजी की प्रतिभा का अभूतपूर्व मिश्रण देखने को मिलेगा। प्रशंसक क्विंटन डी कॉक के साहसिक स्ट्रोक प्ले, रहमानुल्लाह गुरबाज़ के निडर छक्के, क्रिस लिन, जेसन रॉय और एलेक्स हेल्स की शानदार बल्लेबाजी, डेविड मलान की क्लास और शाकिब अल हसन व मोईन अली की ऑलराउंड महारत की उम्मीद कर सकते हैं।

इसके अलावा पीयूष चावला और इमरान ताहिर जैसे स्पिन दिग्गजों की चतुराई, एंड्रयू टाय और ड्वेन प्रीटोरियस की तेज़ रफ़्तार, और बीसी प्लेस में अभूतपूर्व आतिशबाजी देखने को मिलेगी। क्रिकेट की बेहतरीन प्रतिभाओं का यह संगम न केवल मैचों का वादा करता है, बल्कि ऐसे पल भी लेकर आएगा जो कनाडाई क्रिकेट के नए अध्याय को परिभाषित करेंगे। बीसी प्लेस में 8-13 अक्टूबर को होने वाले टूर्नामेंट के टिकट सितंबर के पहले सप्ताह में बिक्री के लिए उपलब्ध होंगे। वैंकूवर के सबसे बड़े मंच की बंद छत के नीचे सीमित सीटों के साथ, मांग ज़्यादा रहने की उम्मीद है क्योंकि कनाडा और उसके बाहर के प्रशंसक इस इतिहास को बनते हुए देखने की योजना बना रहे हैं।

कनाडा सुपर 60 द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, पूर्व स्कॉटिश कप्तान और लीग के सहायक टूर्नामेंट निदेशक काइल कोएट्ज़र ने कहा, हम प्री-ड्राफ्ट साइनिंग से बेहद संतुष्ट हैं। ऐसे शीर्ष खिलाड़ियों को पहली बार बीसी प्लेस में आते देखना इस प्रतिष्ठित स्थल में एक नया आकर्षण जोड़ता है। कनाडा सुपर 60 प्रशंसकों को वैंकूवर के पश्चिमी तट की ऊर्जा से भरपूर सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट मनोरंजन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह किसी बेहद खास चीज़ की शुरुआत मात्र है। क्रिकेट कनाडा के अध्यक्ष अमजद बाजवा ने कहा, जिन खिलाड़ियों को अनुबंधित किया गया है, उनकी गुणवत्ता कनाडाई क्रिकेटरों के लिए वैश्विक सितारों के साथ सीखने और प्रतिस्पर्धा करने का एक उत्कृष्ट मंच प्रदान करती है। इस लीग की खिलाड़ी शक्ति देश भर में खेल को नई ऊँचाइयों पर ले जा सकती है। अंतर्राष्ट्रीय शक्ति, कनाडाई गौरव और दुनिया के सबसे शानदार स्टेडियमों में से एक के साथ, कनाडा सुपर 60 इस पतझड़ का प्रमुख खेल आयोजन और उत्तरी अमेरिका में क्रिकेट के लिए एक मील का पत्थर बनने के लिए तैयार है।

राहुल द्रविड़ ने राजस्थान रॉयल्स से नाता तोड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 से पहले एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, राहुल द्रविड़ ने राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के मुख्य कोच पद से इस्तीफा दे दिया है। ईएसपीएनक्रिकइन्फो के अनुसार, फ्रैंचाइज़ी ने शनिवार को इस फैसले की घोषणा करते हुए कहा कि द्रविड़ को टीम में एक व्यापक भूमिका की पेशकश की गई थी, लेकिन उन्होंने इसे स्वीकार नहीं किया। द्रविड़ का इस्तीफा बहु-वर्षीय अनुबंध के बावजूद हुआ है और यह व्यापक संरचनात्मक समीक्षा के बाद हुआ है, क्योंकि आरआर ने आईपीएल 2025 में निराशाजनक प्रदर्शन किया था, जो अंक तालिका में नौवें स्थान पर रहा, जो 2021 के बाद से उनका सबसे खराब प्रदर्शन था, जिसमें 14 मैचों में केवल चार जीत मिली थीं। ईएसपीएनक्रिकइन्फो के हवाले से बयान में कहा गया है, मुख्य कोच राहुल द्रविड़ आईपीएल 2026 से पहले फ्रैंचाइज़ी के साथ अपना कार्यकाल समाप्त कर देंगे। राहुल कई वर्षों से रॉयल्स के सफ़र के केंद्र में रहे हैं। उनके नेतृत्व ने खिलाड़ियों की एक पीढ़ी को प्रभावित किया है, टीम में मज़बूत मूल्यों का संचार किया है और फ्रैंचाइज़ी की संस्कृति पर एक अमिट छाप छोड़ी है, इसमें आगे कहा गया है।

फ्रैंचाइज़ी की संरचनात्मक समीक्षा के तहत, राहुल को फ्रैंचाइज़ी में एक व्यापक पद की पेशकश की गई थी, लेकिन उन्होंने इसे स्वीकार नहीं किया। राजस्थान रॉयल्स, उसके खिलाड़ी और दुनिया भर के लाखों प्रशंसक, फ्रैंचाइज़ी के प्रति उनकी उल्लेखनीय सेवा के लिए राहुल का हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं, इसमें कहा गया है। द्रविड़ ने नए तीन साल के आईपीएल चक्र से पहले आरआर की नीलामी रणनीति और खिलाड़ियों को रिटेन करने में अहम भूमिका निभाई। फ्रैंचाइज़ी ने संजू सैमसन, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, रियान पराग और शिमरोन हेटमायर को रिटेन किया, और परिणाम देने के लिए एक स्थापित कोर पर भरोसा किया।

हालांकि, सीज़न आगे नहीं बढ़ पाया, प्रमुख खिलाड़ियों के चोटिल होने और कड़े मैचों को समाप्त करने में असमर्थता महंगी साबित हुई। युवा प्रतिभाओं के शानदार प्रदर्शन के बावजूद, रॉयल्स को लय हासिल करने में संघर्ष करना पड़ा और वे कभी भी निरंतरता हासिल नहीं कर पाए। द्रविड़ का जाना फ्रैंचाइज़ी के साथ उनके लंबे और यादगार जुड़ाव का अंत है। वह पहली बार 2011 में राजस्थान रॉयल्स में एक खिलाड़ी के रूप में शामिल हुए और 2012 और 2013 सीज़न में टीम के कप्तान रहे। बाद में उन्होंने 2014 और 2015 में टीम निदेशक और मेंटर के रूप में काम किया और युवा भारतीय प्रतिभाओं को समर्थन देने के आरआर के सिद्धांत को आकार दिया। द्रविड़ के जाने के साथ, राजस्थान रॉयल्स, आईपीएल 2026 से पहले कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बाद बिना मुख्य कोच वाली दूसरी आईपीएल फ्रैंचाइज़ी बन गई है।

भारतीय महिला हॉकी टीम चीन में होने वाले महिला एशिया कप 2025 के लिए रवाना

बेंगलुरु (कर्नाटक) , एजेंसी। भारतीय महिला हॉकी टीम आगामी महिला एशिया कप 2025 की तैयारी के लिए शनिवार को चीन के हांग्जो के लिए रवाना हुई। हॉकी इंडिया की एक विज्ञप्ति के अनुसार, 20 सदस्यीय टीम का नेतृत्व कप्तान सलीमा टेटे कर रही हैं, जिनका लक्ष्य अगले साल होने वाले एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप 2026 में भारत के लिए जगह पक्की करने के लिए यह टूर्नामेंट जीतना है। आगामी प्रतियोगिता के बारे में बात करते हुए, सलीमा ने कहा, यह टूर्नामेंट हमारे लिए अगले साल होने वाले एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप के लिए अपनी जगह पक्की करने का एक अच्छा अवसर है, और हम इस पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। वर्तमान में हमारी पहली प्राथमिकता अपने पूल में शीर्ष पर रहना और सुपर फ़ोर में पहुँचना है। इसके बाद, हम हर मैच को जैसे-तैसे आगे बढ़ाएँगे और ट्रॉफी की ओर बढ़ेंगे, हॉकी इंडिया की एक विज्ञप्ति के अनुसार।

भारत को पूल बी में रखा गया है और ग्रुप चरण में उसका सामना जापान, थाईलैंड और सिंगापुर से होगा। वे अपने अभियान की शुरुआत 5 सितंबर को थाईलैंड के खिलाफ करेंगे, उसके बाद 6 सितंबर को जापान से भिड़ेंगे और फिर 8 सितंबर को सिंगापुर के खिलाफ अपना अंतिम पूल-चरण मैच खेलेंगे।

भारत ने महिला एशिया कप दो बार जीता है, पहली बार 2004 में और दूसरी बार 2017 में। पिछले संस्करण में, भारत टूर्नामेंट में तीसरे स्थान पर रहा था।

इस बीच, भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने शुक्रवार को बिहार के राजगीर स्थित राजगीर हॉकी स्टेडियम में चीन के खिलाफ 4-3 से जीत के साथ पुरुष एशिया कप 2025 में अपने अभियान की शुरुआत की। भारत के लिए कप्तान हरमनप्रीत सिंह (20%, 33%, 47%) ने शानदार प्रदर्शन किया और हैट्रिक बनाई, तथा जुगराज सिंह (18%) भारत के दूसरे स्कोरर रहे, चीन के लिए शिहाओ डू (12%), बेनहाई चेन (35%), जीशेंग गाओ (41%) ने गोल किए।

रीवा में यात्री बस पलटी, 12 लोग मामूली घायल

कुल्लू मोड़ के पास ड्राइवर की लापरवाही से हादसा; 25 यात्री सवार थे

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के चोरहटा में कुल्लू मोड़ के पास शनिवार सुबह यात्रियों से भरी एक तेज रफ्तार बस बेकाबू होकर पलट गई। हादसा सुबह 9 से 10 बजे के बीच हुआ। बस में कुल 25 यात्री सवार थे, जिनमें से 12 को मामूली चोटें आईं। गनीमत रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई।

बस चालक की लापरवाही से हादसा: प्रत्यक्षदर्शियों और बस में सवार यात्रियों ने बताया कि भारत ट्रेवल्स की यह बस सेमरिया से रीवा की ओर जा रही थी। चालक बस को तेज रफ्तार और लापरवाही से चला रहा था। यात्रियों ने कई बार उसे धीमा चलाने और सतर्क रहने की सलाह दी, लेकिन उसने अनसुना कर दिया। प्रत्यक्षदर्शी महिला यात्री सुनीता ने बताया कि चालक बस चलाते समय पीछे बैठी एक लड़की से बातचीत में व्यस्त था, इसी दौरान सामने से आ रहे एक वाहन को बचाने के प्रयास में बस का संतुलन बिगड़ गया और वह पलट गई।

ग्रामीणों और पुलिस ने रेस्क्यू कर निकाले यात्री: हादसे के तुरंत बाद स्थानीय ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू किया। सूचना मिलते ही चोरहटा थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और यात्रियों को बाहर निकाला। घायल यात्रियों को एंबुलेंस के जरिए संजय गांधी अस्पताल पहुंचाया गया।

चालक मौके से फरार, पुलिस कर रही जांच: हादसे के बाद बस चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है और पूरे मामले की जांच की जा रही है।

अस्पताल में सभी का इलाज, दो ऑब्जर्वेशन में: संजय गांधी अस्पताल के सीएमओ डॉ. यत्नेश त्रिपाठी ने बताया कि सभी घायलों की हालत स्थिर है। किसी को भी गंभीर चोट नहीं आई है। सभी को प्राथमिक उपचार के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया है। केवल दो घायलों को एहतियातन ऑब्जर्वेशन में रखा गया है।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर बाल कौशल केंद्र नगर निगम द्वारा मेजर ध्यानचंद का स्मरण एवं राज्य/राष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता खिलाड़ियों का सम्मान

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर नगर निगम बाल कौशल केंद्र, रीवा द्वारा हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद जी के जयंती पर उन्हें नमन करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित की गई। साथ ही ताइक्वांडो में राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर पदक प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे, पार्षद समीर शुक्ला, अंबुज रजक ने मेजर ध्यानचंद की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। निगमायुक्त सौरभ सोनवणे ने उपस्थित छात्रों एवं खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि यूवाओ के प्रेरणा स्त्रोत मेजर ध्यानचंद की जयंती राष्ट्रीय खेल दिवस को केवल एक समारोह नहीं, बल्कि युवा खिलाड़ियों को आगे बढ़ने की प्रेरणा देने का अवसर है। कार्यक्रम के अंत में नगर निगम बाल कौशल केंद्र एवं अन्य शैक्षणिक संस्थाओं से राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया, जिनमें मुख्य रूप से वंश मिश्रा, संकल्प मिश्रा, चित्रांश सिंह, सोफिया बानो, मन्नत पटेल, अंकुश चतुर्वेदी, शिवम दुबे, अवनी मिश्रा, अनामिका सिंह पाल, आलोक सोंधिया, कार्तिक कुशवाहा, शिवम कुशवाहा, आफ्नि हुस्ना, अनन्या पांडे, अश्विन नामदेव, शिवांशु पाल को प्रशस्ति पत्र एवं प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान सिटी मिशन मैनेजर प्रीति रोचलानी, विंध्य ताइक्वांडो एसोसिएशन के सचिव राजू वर्मा एवं सहायक सचिव राजमणि तिवारी आर्ट पॉइंट के संचालक सुधीर सिंह रंजन रंगकर्मी विपुल सिंह गहरवार रंगकर्मी मनोज एवं पवन किशोर ताइक्वांडो प्रशिक्षक बाल कौशल केंद्र नगर निगम रीवा अर्जुन यादव, शिव बंसल, अजय कुमार शर्मा, निखिल कुशवाहा, कृष्ण शास्त्री आदि उपस्थित रहे।

करंट लगने से युवक की मौत, रात में पंखा चलाने के दौरान हुआ हादसा

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। जिले के हनुमना थाना क्षेत्र के कोन गांव में एक किशोर की करंट लगने से मौत हो गई। मृतक की पहचान गौरीशंकर कोल (16) के रूप में हुई है। घटना शुक्रवार-शनिवार दरमियानी रात की है। दरअसल, गौरीशंकर भोजन करने के बाद अपने कमरे में गया। पंखा चालू करते समय अचानक करंट उतर आने से वह उसकी चपेट में आ गया। मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

पीएम के बाद परिजनों को सौंपा गया शव: सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पंचनामा बनाकर शव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हनुमना भेजा गया। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

गौरीशंकर तीन भाई और दो बहनों में मझला था। कुछ साल पहले ही उसके माता-पिता का निधन हो चुका था। ग्राम पंचायत सरपंच रेनू साकेत और सरपंच प्रतिनिधि शिवप्रसाद साकेत ने परिवार से मिलकर हर संभव मदद का आश्वासन दिया है।

सेमरिया विधायक अभय मिश्रा ने कलेक्टर को लिखी चिट्ठी, राजनीतिक दबाव के चलते रोके जा रहे काम; जनता परेशान

सेवा सहकारी समितियां में नहीं हो रही खाद की आपूर्ति, ऊर्जा विभाग द्वारा स्वीकृत कार्यों को भी लगातार रोका जा रहा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले की सेमरिया विधानसभा क्षेत्र के विधायक अभय मिश्रा ने कलेक्टर रीवा को एक पत्र लिखकर दुख जताते हुए कहा कि उनके विधानसभा क्षेत्र के साथ प्रशासन भी दोहरा मापदंड अपना रहा है। इस क्षेत्र में संचालित सेवा सहकारी समितियो को डीएपी एवं यूरिया खाद की आपूर्ति नहीं किए जाने से किसानों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने वताया की इस क्षेत्र में 7 सेवा सहकारी समितियां हैं लेकिन अधिकांश सेवा सहकारी समितियो द्वारा डीएपी एवं यूरिया का उठाव न किए जाने की वजह से कई बार आग्रह करने के बाद भी सेमरिया नगर में यूरिया एवं डीएपी के शासन द्वारा नगद बिक्री हेतु अधिकृत व्यवस्था न किए जाने से किसानों की परेशानी बढ़ गई है।

जिसके लिए उन्होंने नगद खाद बिक्री हेतु अलग से काउंटर की स्थापना कर किसानों को खाद उपलब्ध कराई जाए तथा किसान हित में प्राथमिकता के साथ सेमरिया नगर में एक डीएपी एवं यूरिया का शासकीय विक्रय केंद्र भी संचालित कराया जाए। उन्होंने पत्र में यह भी लिखा है कि आरडीएस योजना के तहत स्वीकृत कार्यों को विभाग द्वारा बार-बार आग्रह करने के बाद भी नहीं कराया जा रहा है जबकि जिला प्रशासन एवं विभाग को कई बार इन कार्यों को पूर्ण करने के लिए आग्रह किया गया। लेकिन राजनीतिक हस्तक्षेप के चलते जिला प्रशासन द्वारा ध्यान नहीं दिया जा रहा है। कांग्रेस पार्टी का निर्वाचित विधायक होने के कारण बिजली व स्वास्थ्य जैसी सुविधाओं को बाधित किया जा रहा है। पत्र में श्री मिश्रा ने यह भी उल्लेखित किया है कि जिला प्रशासन से खाद बिजली एवं सेमरिया में संचालित स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों की आपूर्ति बाबत कई बार जिला प्रशासन को पत्र समय-समय पर लिखे गए। लेकिन पत्रों पर कार्यवाही आज भी अपेक्षित है।

विधायक अभय मिश्रा ने कहा है कि खाद की आपूर्ति सेवा सहकारी समितियो में अविलंब उपलब्ध कराकर एवं अन्य समस्याओं का निराकरण कर अवगत कराने का कष्ट करें अन्यथा आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा जिसकी संपूर्ण जवाबदारी जिला प्रशासन की होगी।

अज्ञात वाहन से दुर्घटना में मौत होने पर आश्रित को मिलेंगे दो लाख रुपए

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में विभिन्न कारणों से बड़ी संख्या में सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं। इन दुर्घटनाओं में कई व्यक्ति अपनी जान गवां देते हैं। गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों का भी जीवन कठिन हो जाता है। अब तक अज्ञात वाहन से दुर्घटना होने पर मृतक के आश्रितों को सोलेशियम फण्ड से 25 हजार रुपए की आर्थिक सहायता दी जाती थी। इसके स्थान पर हिट एण्ड रन मोटरयान दुर्घटना पीड़ित प्रतिकर योजना 2022 लागू की गई है। इस योजना से अज्ञात वाहन से दुर्घटना में मौत होने पर मृतक के आश्रितों को दो लाख रुपए की सहायता राशि दी जाएगी। गंभीर रूप से घायल होने पर 50 हजार रुपए की सहायता राशि का प्रावधान है। योजना की मानीटरिंग के लिए जिला स्तर पर कलेक्टर की अध्यक्षता में समिति का गठन किया गया है। इसमें पुलिस अधीक्षक, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी को सदस्य बनाया गया है। कलेक्टर इस समिति में एक स्वयंसेवी सदस्य को नामांकित करेंगे। बीमा कंपनी के अधिकारी को समिति का सदस्य सचिव बनाया गया है। अज्ञात वाहन से दुर्घटना होने पर पीड़ित व्यक्ति तहसीलदार अथवा एसडीएम को निर्धारित प्रपत्र में सहायता राशि के लिए आवेदन प्रस्तुत करेंगे। आवेदन पत्र के साथ दावाकर्ता के बैंक खाते की छायाप्रति, अस्पताल में उपचार कराने के बिल, घायल अथवा मृतक की पहचान तथा पता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत करना आवश्यक है। इसके साथ-साथ पुलिस में दर्ज एफआईआर की प्रति, दावा करने वाले की पहचान सुनिश्चित करने के लिए प्रमाण पत्र, मौत की स्थिति में पोस्टमार्टम रिपोर्ट एवं मृत्यु प्रमाण पत्र एवं गंभीर चोट होने पर एमएलसी रिपोर्ट देना आवश्यक होगा। इसका आवेदन करने पर संबंधित जाँच दावा अधिकारी तहसीलदार अथवा एसडीएम 30 दिवस में अपनी जाँच रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। कलेक्टर इस रिपोर्ट पर 15 दिवस में आवश्यक कार्यवाही कर पीड़ित को सहायता राशि का भुगतान कराएंगे तथा परिवहन आयुक्त को रिपोर्ट प्रेषित करेंगे।

जनेह थाना प्रांगण में जब्त वाहनों की हुई नीलामी, 60700 का मिला राजस्व

शासन को मिला राजस्व, पारदर्शी तरीके से हुई नीलामी प्रक्रिया

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जनेह थाना परिसर में लंबे समय से खड़े जब्त वाहनों की नीलामी दिनांक 29/08/25 को सुव्यवस्थित और पारदर्शी तरीके से संपन्न हुई। जो त्योंथर एसडीएम के आदेश पर आयोजित की गई। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी कन्हैया सिंह बघेल और तहसीलदार राजेन्द्र शुक्ला की मौजूदगी में बोली लगाई गई। नीलामी प्रक्रिया में 20 से 25 बोलीदाता शामिल हुए लेकिन 2 लोगो द्वारा की बोली बड़ी थी जिसे 25 पुलिस एक्ट के तहत जब्त 10 मोटरसाइकिल के लिए बोली लगाई गयी जिस पर शासन को 60700 रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ।

बोली के दौरान संतोष कुमार साहू ग्राम रमगढ़वा थाना अतरैला: ने 9 वाहन की बोली लगाई जो 38700 रुपये की नीलामी थी एक अपाची वाहन को करन दीपांकर त्योंथर द्वारा 220000 रुपये की नीलामी लगाई गई। प्रशासनिक पारदर्शिता और अनुशासन के साथ संपन्न इस प्रक्रिया में न केवल थाना परिसर को अव्यवस्थित पड़े वाहनों से मुक्त कराया बल्कि शासन को राजस्व भी प्राप्त कराया।

थाना प्रभारी निरीक्षक कन्हैया सिंह बघेल ने बताया कि नीलामी प्रक्रिया की सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए गए थे। उन्होंने कहा, हमारी प्राथमिकता थी कि नीलामी प्रक्रिया पारदर्शी और निष्पक्ष हो। हमें खुशी है कि इस प्रक्रिया से शासन को राजस्व प्राप्त हुआ है और थाना परिसर को अव्यवस्थित पड़े वाहनों से मुक्ति मिली है। तहसीलदार राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि शासन की आय बढ़ाने और अवैध वाहनों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए इस तरह की नीलामी प्रक्रिया महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि आगे भी इस तरह की नीलामी प्रक्रिया जारी रहेगी।

धान और हाइब्रिड धान में खाद के संतुलित उपयोग की सलाह

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप संचालक कृषि यूपी बागरी ने किसानों को धान और हाइब्रिड धान में खाद के संतुलित उपयोग की सलाह दी है। उप संचालक ने कहा है कि सभी किसान अपने खेत की माटी की जाँच करा लें। इससे प्राप्त मृदा स्वास्थ्य कार्ड में खेत की माटी में पाए जाने वाले पोषक तत्वों और कमी की जानकारी दर्ज रहती है। साथ ही उसमें फसल के अनुसार खाद के संतुलित उपयोग की भी मात्रा लिखी रहती है। उसी के अनुसार खाद का उपयोग करें। अधिक मात्रा में खाद का उपयोग किसान के लिए आर्थिक बोझ होने के साथ-साथ फसल और मिट्टी के लिए भी हानिकारक होता है। धान की सामान्य किस्म के लिए प्रति हेक्टेयर चार बैग चार किलो यूरिया और एक बैग 37 किलो डीएपी का उपयोग करें। इसके विकल्प के रूप में चार बैग 37 किलो यूरिया और पाँच बैग सिंगल सुपर फास्फेट अथवा चार बैग पाँच किलो यूरिया और दो बैग 25 किलो 12:32:16 खाद का उपयोग कर सकते हैं। इसके अन्य विकल्प के रूप में चार बैग तीन किलो यूरिया, तीन बैग सिंगल सुपर फास्फेट और दो बैग 16=16=16 खाद का उपयोग भी किया जा सकता है।

उप संचालक ने बताया कि शंकर अथवा हाइब्रिड धान के लिए 22 किलो यूरिया एवं दो बैग 9 किलो डीएपी का उपयोग करें। इसके विकल्प के रूप में पाँच बैग 36 किलो यूरिया एवं सात बैग 25 किलो सिंगल सुपर फास्फेट का उपयोग किया जा सकता है। इसके तीसरे विकल्प के रूप में तीन बैग 33 किलो यूरिया तथा तीन बैग 38 किलो 12:32:16 खाद अथवा चार बैग 16 किलो यूरिया, तीन बैग 20:20:0:13 तथा तीन बैग 38 किलो सिंगल सुपर फास्फेट का उपयोग करें।

उप मुख्यमंत्री ने सुनी आमजनता की समस्याएं

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने निज निवास अमहिया में आमजनता की समस्याओं सुनी। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आमजनों की समस्याओं का तत्परता से हर संभव समाधान किया जाएगा। आमजनों की विभिन्न समस्याओं से संबंधित आवेदन पत्रों पर संबंधित अधिकारियों को निर्देशित कर समस्याओं का निराकरण कराया जाएगा।

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए खेल को दिनचर्या में शामिल करें : उप मुख्यमंत्री

राष्ट्रीय खेल दिवस पर सांसद खेल महोत्सव में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मेजर ध्यानचन्द्र के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर सांसद खेल महोत्सव में उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि शरीर को स्वस्थ रखने के लिए खेल को दिनचर्या में शामिल करें तथा कोई न कोई खेल अवश्य खेलें।

स्पोर्ट्स काम्पलेक्स में गत दिवस सांसद खेल महोत्सव के अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने मेजर ध्यानचन्द्र के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन का वास होता है। अतः शरीर को स्फूर्तिवान व स्वस्थ रखने में खेलों की भूमिका महत्वपूर्ण है। श्री शुक्ल ने कहा कि रीवा में खेल सुविधाओं के लिए सभी प्रयास किए गए हैं। स्पोर्ट्स काम्पलेक्स इसी का उदाहरण है जहाँ विभिन्न खेल गतिविधियों का आयोजन होता रहता है। उन्होंने खिलाड़ियों से अपेक्षा की कि वह अपना सर्वोत्तम प्रदर्शन करें। खेल सुविधाओं में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जाएगी।

खेल महोत्सव के तीन दिवसीय आयोजन के प्रथम दिवस पर फिट इंडिया की शपथ ली गई। स्पोर्ट्स काम्पलेक्स में 400 मीटर रिले रेस का आयोजन हुआ। रिले रेस सहित अन्य खेलों में विजेता प्रतिभागियों को उप मुख्यमंत्री ने पुरस्कृत किया। इस अवसर पर पूर्व महापौर वीरेन्द्र गुप्ता, सतीश सिंह, संभागीय खेल अधिकारी जेपी धौलपुरी, असद खान, मोहनलाल शुक्ला सहित बड़ी संख्या में खेलप्रेमी व खिलाड़ी उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।